(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

शुक्रवार, 27 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 251 पृष्ठ 8 | आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

करीना कपूर ने शुरू...8

गुरुद्वारा चुनाव में अकालियों ने लगाई जीत की हैट्रिक, क्या पंजाब में भी दिखेगा असर?

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव में अकाली दल (बादल) ने एक बार फिर से शानदार जीत दर्ज की है। 2013, 2017 के बाद अब 2021 में पार्टी ने 46 सीटों में से 27 सीटों पर कब्जा किया है। इसके साथ ही चुनावों में अकाली दल ने हैट्रिक लगाई है। इसके अलावा सरना दल ने 15, जागो ने 3 और 1 पर निर्दलीय उम्मीदवार की जीत हुई है। इस जीत के बाद अकाली दल में उत्साह है। पार्टी इसे बड़ी जीत के रूप में देख रही है। पार्टी प्रमुख सुखबीर बादल ने दावा किया कि सिख संगतों ने सुखदेव

सिंह ढींडसा, कांग्रेस समर्थित सेना ग्रुप और बीजेपी प्रायोजित ग्रुप को पूरी तरह से खारिज कर दिया। बीजेपी ने ढींडसा और मनजीत सिंह जीके के माध्यम से 46 में से सिर्फ 2 सीटें जीतने में सफलता हासिल कर सकी। इस जीत पर अकाली दल में जबरदस्त उत्साह है और इसका सबसे प्रमुख कारण है कि पंजाब चुनाव से पहले यह जीत मिली है। माना जा रहा है कि इस जीत के बाद पंजाब विधानसभा चुनाव में अकाली दल जबरदस्त आत्मविश्वास साथ उतरेगी। अगले साल पंजाब में विधानसभा के चुनाव होने हैं और अकाली दल का मुख्य मुकाबला कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी से है। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी को जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा था और पार्टी सीधे तीसरे नंबर पर 18 सीटों के साथ चली गई थी। पार्टी के वोट शेयर में 50: तक का गिरावट देखने को मिला था। पिछले विधानसभा चुनाव में अकाली दल पंजाब में भाजपा के साथ थी। हालांकि उस वक्त वह सत्ता में थी। लेकिन अब राजनीतिक परिस्थितियां पंजाब की बदल चुकी है। शिरोमणि अकाली दल भाजपा से अलग हो चुकी है और उसका गठबंधन बसपा के साथ हुआ है। यानी कि अगला विधानसभा चुनाव शिरोमणि अकाली दल और बसपा मिलकर लड़ेंगे। आम आदमी पार्टी भी पंजाब में लगातार अपनी पकड़ को मजबूत कर रही है। कांग्रेसी आंतरिक कलह से जूझने के बावजूद पंजाब चुनाव को लेकर खासा सतर्कता बरतते हुए तैयारियों में जुटी हुई है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव में अकाली दल ने जबरदस्त जीत हासिल की। परंतु उसके स्टार कैंडिडेट मनजिंदर सिंह सिरसा चंद वोटों से हार गए। पंजाबी बाग सीट से उन्हें शिरोमणी अकाली दल दिल्ली के हरविंदर सिंह सरना ने हराया। पंजाबी बाग के सीट हॉट सीट बनी हुई थी। भले ही मनजिंदर सिंह सिरसा चुनाव हार गए लेकिन उन्होंने पार्टी को जरूर जीत दिलाई है।

भाजपा नेता ने की नारायण राणे की तुलना संभाजी महाराज से, शिवसेना ने की FIR दर्ज

मुंबई। शिवसेना के विधायक वैभव नाइक ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की तुलना मराठा योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी महाराज से कथित तौर पर करने पर भाजपा विधायक प्रमोद जठार के

खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए पुलिस का रुख किया है। नाइक ने बृहस्पतिवार को कहा कि जठार द्वारा राणे की तुलना छत्रपति संभाजी महाराज से करना "स्तब्ध करने" वाला है और इससे उनके साथ–साथ संभाजी महाराज के लाखों अनुयायियों की भावनाएं आहत हुई हैं। विधायक ने कहा कि वह अपनी शिकायत लेकर बुधवार को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में कंकावली पुलिस के पास गए थे और जठार के खिलाफ मामला दर्ज करने को कहा। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज एक महान नेता थे, जिन्हें मुगल शासक औरंगजेब ने संगमेश्वर (रत्नागिरि जिले में) में गिरफ्तार किया और यातनाएं दीं। नाइक ने 2014 में सिंधुदुर्ग में कुडाल विधानसभा सीट से राणे को हराया था। राणे को 2015 में मुंबई की बांद्रा (पूर्वी) विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में शिवसेना उम्मीदवार ने हराया था। इस हफ्ते की शुरुआत में, राणे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को थप्पड़ मारने के बारे में अपनी टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा कर दिया था। उन्हें मंगलवार को महाराष्ट्र के रत्नागिरि से गिरफ्तार किया गया था और बाद में रायगढ़ में महाड की एक अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी। उनके इस बयान को लेकर पूरे महाराष्ट्र में विरोध हुआ था। मंगलवार को मुंबई में उनके आवास के पास शिवसेना और भाजपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ भी गए थे।

सीएम शिवराज पर कमलनाथ का तंज, कहा– मुंबई जाइए, कलाकारी करिए, प्रदेश का नाम रोशन करिए

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आज शिवराज सिंह चौहान पर जमकर निशाना साधा। अगस्त क्रांति पद यात्रा के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कमलनाथ ने जबरदस्त तरीके से मुख्यमंत्री पर हमला बोला। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक कमलनाथ ने कहा कि मैं तो शिवराज सिंह चौहान को हमेशा कहता हूं कि शिवराज जी आप मध्य प्रदेश का नाम रोशन करिए, मुंबई जाइए कलाकारी करिए, एक्टिंग करिए। आखिर में कहूंगा आप कमलनाथ और कांग्रेस का साथ मत देना पर सच्चाई का साथ देना। सच्चाई का साथ दोगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। भाजपा और भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कमलनाथ ने कहा कि जब कोविड हुआ था तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 मार्च 2020 को कहा था कि कोविड के लिए 20 लाख करोड़ रुपए दे रहा हूं। अगर इतने रूपए दिए होते तो कोविड से इतने लोगों की मृत्यु नहीं हुई होती। इससे पहले कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा था कि देश के इंदौर में भाजपा की जनआशीर्वाद को खुली छूट, बीच रास्तों पर सैकड़ो मंच, स्वागत द्वार, प्रमुख मार्गों पर घंटो जाम, तमाम नियमो की धज्जियाँ उड़ायी गयी और वही आज गणेश उत्सव, डोल ग्यारस, गोगा देव नवमी, अनंत चतुर्दशी, पर्युषण पर्व, नवरात्रि, ईद, दशहरा, दीपावली ,गुरु नानक जयंती जैसे प्रमुख धार्मिक पर्वो को मनाने की अनुमति देने की माँग को लेकर इंदौर में हजारों कांग्रेसजन की निकली मौन पैदल रैली पर जमकर लाठीचार्ज, वाटर केनन का उपयोग, बर्बरता, दमन..? यह है शिवराज सरकार का दोहरा चरित्र? कांग्रेस इस दमन से डरने–दबने वाली नही, जनहित के लिये हमारा संघर्ष सतत जारी रहेगा।

मिशन पंजाब की तैयारी में जुटे अरविंद केजरीवाल, अकाली दल के पूर्व मंत्री को आप में कराया शामिल

चंडीगढ़। पंजाब में साल 2022 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसके मद्देनजर राजनीतिक दलों ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में पूर्व अकाली मंत्री जत्थेदार सेवा सिंह सेखवां ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आम आदमी पार्टी की पंजाब इकाई ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। जिसमें लिखा कि पंजाब बदलाव के लिए तैयार है। दिल्ली जैसा होगा पंजाब !: पंजाब के गुरुदासपुर में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जैसे हमने दिल्ली में अच्छी सड़कें, स्कूल और अस्पताल बनाएं। मुफ्त में बिजली और साफ पानी दिया। वैसे ही हमारा मिशन है कि हम ऐसा पंजाब बनाए जहां सुख–शांति हो, सभी बच्चों को अच्छी और मुफ्त शिक्षा मिले, अच्छा इलाज मिले। सेखवां जी हमारे बुजुर्ग हैं इन्होंने पंजाब के विकास के लिए बहुत कुछ किया है। वो आज हमें आशीर्वाद देकर हमारे परिवार में शामिल हुए हैं। कांग्रेस पर बरसे केजरीवालः कश्मीर पर कांग्रेस नेताओं के बयानों को लेकर अरविंद केजरीवाल ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कश्मीर लेकर कन्याकुमारी तक भारत एक है। हमको कोई अलग नहीं कर सकता है। इस तरह के बयान सही नहीं हैं। पंजाब एक बॉर्डर स्टेट है, यहां पर कोई भी बयान सोच समझकर दिया जाना चाहिए। जैसा मैंने कहा इन चीजों के ऊपर हम राजनीति नहीं करना चाहते हैं। हम ऐसा पंजाब बनाना चाहते हैं जहां पर सुख शांति हो, चाहे किसी भी धर्म और जाति का आदमी हो, सबका विकास हो।

अविनाश राय खन्ना ने राष्ट्रपति को ` इनीशेटिव व आई एम ए कोरोना सरवाइवर पुस्तकें की भेंट

शिमला। भाजपा प्रभारी एवं इंडियन रेडक्रास के नेशनल वाइस चेयरमैन अविनाश राय खन्ना ने भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भेंटकर उन्हें अपनी दो पुस्तकें भेंट की । राष्ट्रपति को सौंपी पहली पुस्तक जिसका नाम श इनीशेटिव श है , उसमें पिछले चार वर्षों में रेडक्रास के वाइस चेयरमैन के नाते जो देश भर में नई सेवा योजनाएं सफल तरीके से चलाई गई , मका चित्रण किया गया है तथा दूसरी पुस्तक श आई एम ए

कोरोना सरवाइवर श जिसमें उनके द्वारा कोरोना महामारी के दौरान अपने से जुड़े संबंधित घटनाक्रमों को उल्लेखित किया गया है ।खन्ना ने बताया कि रेडक्रास से संबंधित कार्यों को उनके साथ साझा किया । गौरतलब है कि अविनाश राय खन्ना पंजाब के गढ़शंकर से विधायक रहने के अलावा होशियारपुर से लोकसभा सांसद एवं पंजाब से राज्यसभा सांसद रह चुके हैं । खन्ना लगभग एक वर्ष के लिए पंजाब ह्यूमन राइटस कमीशन के सदस्य भी रहे और आजकल इंडियन रेडक्रास के नेशनल वाइस चेयरमैन के नाते सेवा कर रहे हैं । इससे पूर्व में भाजपा प्रभारी अविनाश राय खन्ना ने अपनी पुस्तक हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, पूर्व राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप को भी भेंट की है।

मध्य प्रदेश में लागू हुई नई शिक्षा नीति, मुख्यमंत्री और महामहिम राज्यपाल ने किया इसका शुभारंभ

भोपाल। मध्य प्रदेश में गुरुवार से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का शुभारंभ हो गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के संबंध में सभी पहलुओं पर भोपाल स्थित मिंटो हॉल में चर्चा की गई।

इसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्यपाल मंगूभाई पटेल एवं उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव समेत कई शिक्षाविद शामिल हुए। आपको बता दें कि प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो गई है। यह नई नीति शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए लागू हो गई है। इसकी घोषणा महामहिम राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की। इनके साथ ही कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव और प्रचार भी शामिल हुए। वहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति लागू कर रहे हैं यह गर्व की बात है। नई शिक्षा नीति के बारे में अनेक प्रयास हुए। विद्यार्थियों के जीवन को बदलने वाली नई शिक्षा नीति बनी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वह है जो मुक्ति दिलवाए, इस लोक में भी और परलोक में भी। इसके साथ ही शिवराज सिंह ने इस मौके पर वाइस चांसलरों को उनके कामों को लेकर भी हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि वाइस चांसलर के नाम शिक्षा दिए जाने और मॉनीटिरिंग जरूरी है। विश्वविद्यालय रिसर्च का केंद्र होना चाहिए। विश्वविद्यालय उद्योगों के साथ मिलकर काम करें। जिससे हम शिक्षा को और सार्थक बना सकें। इस कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि जो नई शिक्षा नीति आई है उसका पालन होना चाहिए। तक्षशिला नालंदा विद्यापीठ जैसी शिक्षा संस्थान देश में थे। इस विद्यापीठ में बाहर से भी लोग पढ़ने के लिए आते थे।प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कराने के हर संभव प्रयास होना चाहिए। इस कार्यशाला के आयोजन के साथ ही काम पूरा हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा को जीवन में उपयोगी एवं दायित्व पूर्ण बनाकर हम देश के विकास और सुपर पावर बनाने का अवसर दिया है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल शिक्षा व्यवस्था होने की मांग हैं। शिक्षा को रोजगार आधारित बनाने के लिए कौशल उन्नयन की जरूरत है। इसी कड़ी में उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने भी कार्यक्रम को संबोधति करते हुए नई शिक्षा नीति लागू करने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति को लेकर अलग–अलग तरह की चर्चा हुई, कोरोनाकाल में थोड़ा कठिन था।नई शिक्षा नीति का अर्थ रोजगार जोड़ने का काम हुआ है। उन्होंने आगे ये कहा कि नई शिक्षा नीति में झांसी की रानी के साथ–साथ रानी अहिल्या बाई, भील टनटा बिरसा मुंडा, रानी अवंती बाई की जीवनी को भी जगह दी है।

सर्वदलीय बैठक के बाद बोले एस जयशंकर, अफगानिस्तान के हलात ठीक नहीं, हर भारतीय को लाएंगे वापस

नयी दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने गुरुवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को अफगानिस्तान की ताजा स्थिति की जानकारी दी। बैठक समाप्त होने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अफगानिस्तान के हालात ठीक नहीं है। हम अपने लोगों को निकालने में जुटे हुए हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि 31 पार्टियों के 37 नेता बैठक में मौजूद थे। इस मुद्दे पर सरकार और सब

राजनीतिक पार्टियों की एक जैसी राय है। उन्होंने कहा कि हमने सभी दलों के नेताओं को अफगानिस्तान की स्थिति के बारे में जानकारी दी। हमारा पूरा ध्यान लोगों को निकालने में है और सरकार इसके लिए सबकुछ कर रही है। उन्होंने कहा कि हम ज़्यादातर भारतीयों को वापस ले आए हैं लेकिन सबको वापस नहीं लाए हैं। हम कुछ अफगान नागरिकों को भी लाए हैं जो इस समय भारत आना चाहते थे। सरकार जल्दी से जल्दी लोगों की पूरी वापसी सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हम काबुल में फंसे हर भारतीय को वापस लाएंगे। आपको बता दें कि संसदीय सौंध में आयोजित सर्वदलीय बैठक में एस जयशंकर के अलावा राज्यसभा के नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल तथा संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी भी मौजूद थे। इस बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, द्रमुक नेता टी आर बालू, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा, अपना दल की नेता अनुप्रिया पटेल सहित कुछ अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया।

सीबीआई ने बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा के संबंध में 9 मामले दर्ज किए

नयी दिल्ली।केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा के संबंध में नौ मामले दर्ज किए हैं। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंसा के मामलों की जांच का जिम्मा संभाल रही जांच एजेंसी की सभी चार विशेष इकाइयों ने अपने दलों को कोलकाता से, राज्य के अपराध स्थलों में भेजा है। सूत्रों ने बताया कि कुछ और मामले दर्ज किए जाने की प्रक्रिया में हैं और उनमें से कुछ मामले राज्य सरकार ने सौंपे हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने इस साल की शुरुआत में पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनावों के बाद हुई हिंसा के दौरान कथित दुष्कर्म और हत्या के मामलों की जांच सीबीआई को सौंपी है। उच्च न्यायालय ने दो मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद राज्य में हिंसा पर राष्ट्रीय मानवाधिकार

आयोग की एक समिति द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद ये निर्देश दिए। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस ने राज्य में आठ चरणों में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के साथ कड़े मुकाबले के बाद शानदार जीत दर्ज की। स्वतंत्र जांच की मांग कर रही जनहित याचिकाओं पर सर्वसम्मति से फैसला देते हुए उच्च न्यायालय की पीठ ने सभी अन्य मामलों की जांच के लिए राज्य पुलिस अधिकारियों के एक विशेष कार्य बल (एसआईटी) का भी गठन करने का आदेश दिया। एसआईटी में पश्चिम बंगाल कैडर के आईपीएस अधिकारी सुमन बाला साहू, सौमेन मित्रा और रणवीर कुमार शामिल होंगे। पीठ सीबीआई और एसआईटी दोनों की जांच की निगरानी करेगी और उसने दोनों एजेंसियों को छह हफ्तों के भीतर स्थिति रिपोर्ट सौंपने को कहा है। पीठ ने कहा कि ऐसे आरोप हैं कि शिकायतकर्ताओं को मामले वापस लेने के लिए धमकाया जा रहा है और हत्या के कई मामलों को बिना प्राथमिकी दर्ज किए और जांच किए बिना स्वाभाविक मौत के मामले बताया जा रहा है। उच्च न्यायालय ने कहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने शिकायतों पर कार्रवाई न करने के आरोपों पर उचित जवाब नहीं दिया और उन्हें तवज्जो न देने की कोशिश की। उसने कहा, ''इसमें निश्चित तौर पर एक स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की आवश्यकता है।'' पीठ ने कहा कि अदालत द्वारा इस मामले पर सुनवाई शुरू किए हुए तीन महीने बीत गए हैं लेकिन ''राज्य ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की''।

बांध बचाने के युद्ध स्तर पर मरम्मत जारी

करनैलगंज(गोंडा)। घाघरा नदी का रौद्ररूप तेजी से बढ़ता जा रहा है। बांध में कटान का सिलसिला थम गया है। एल्गिन चरसडी बांध को बचाने की जद्दोजहद अभी जारी रही। तीन दिनों से एसडीएम व सिंचाई विभाग के अधिकारी बांध पर कैम्प किये हुए हैं। अब तो नदी तो रुख भी बदलने लगी है। बांध के बचाने के लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। घाघरा के पानी का तेज बहाव बांध को धरासाई कर सकता है। पहाड़ी क्षेत्रों सहित घाघरा के कैचमेंट इलाकों में हो रही बरसात के चलते शारदा, गिरिजा एवं सरयू बैराज से प्रतिदिन पानी छोड़े जाने से घाघरा नदी में उतार–चढ़ाव प्रतिदिन हो रहा है। मौजूदा समय में चन्दापुर किटौली के पास नदी एल्गिन चरसड़ी बांध से सट कर बह रही है। सुबह 8 बजे घाघरा नदी खतरे का निशान 106.07 के बराबर चल रही है। फिर भी घाघरा कई दिनों से अपना उग्र रूप अख्तियार करते हुए सीधे बांध से टकराकर किलोमीटर 36.050 से 36.200 के बीच बांध को निशाना बना रही है। चन्दापुर किटौली गांव के पास अचानक आयी इस समस्या को देखते हुए बाढ़ खण्ड के अधिकारी व कर्मचारी सहित प्रशासन के लोग बचाव कार्य में लग चुके है। चन्दापुर किटौली के पास बने दो स्परों के बीच घाघरा ने विगत दिनों से बांध की ओर अपना रूख कर लिया था। पहले से ही बने स्परों को लेकर बाढ़ खण्ड किसी बड़ी परेशानी से वाकिफ न था।

बांध से करीब 100 मीटर दूर बह रही घाघरा ने इस दूरी को मिटाते हुए कटान कर बांध से आ सटी। मौजूदा समय में नदी की धारा 60 डिग्री पर मुड़ कर दो स्परों के बीच बांध को सीधे निशाना बना रही है। बांध पर खतरे को देखते हुए बाढ़ खण्ड एक्सईएन वीएन शुक्ल, एसई त्रियम्बक त्रिपाठी, एई अमरेश सिंह व जेई सहित एसडीएम हीरालाल मौके पर पहुंच कर बचाव में लग चुके है। बांध को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाये जा रहे है। बार बार उठ रहे मसीना के चलते कटान रूकने का नाम नहीं ले रही है। बांध के स्लोप पर 8 मीटर की गहराई में कटान होने से बचाव कार्य में बाधा आ रही है। मौके पर मौजूद एसडीएम हीरालाल ने बताया कि बांध से सटकर नदी की धारा चल रही है। बांध को मजबूत करने का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। नदी की कटान को रोकने के लिए भी प्रयास किये जा रहे हैं।

राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों का अपर पुलिस महानिदेशक ने लिया जायजा

अयोध्या। राष्ट्रपति के 29 अगस्त के आगमन को देखते हुये लखनऊ परिक्षेत्र के अपर पुलिस महानिदेशक एस0एन सावन्त द्वारा मण्डलायुक्त एम0पी0 अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक डा0 संजीव गुप्ता, जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय आदि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया तथा नया घाट पर स्थित यात्री निवास जो अब शासन के निर्देशानुसार सरयू होटल के रूप में जाना जायेंगा, इस होटल के बैठक कक्ष में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक किया और कहा कि राष्ट्रपति भवन से प्राप्त प्रोटोकॉल एवं उ0प्र0 शासन द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों का शत प्रतिशत पालन किया जाये। राष्ट्रपति के भ्रमण में सबसे पहले लखनऊ से ट्रेन से अयोध्या रेलवे स्टेशन आयेंगे तत्पश्चात रामकथा पार्क, हनुमानगढी एवं रामलला के दर्शन करेंगे। इन स्थानों पर स्थानीय एवं बाहर के पुलिस अधिकारियों, मजिस्ट्रेटों एवं अन्य कर्मचारियों की मानक अनुसार ड्यूटी लगाई जायें तथा महामहिम के आसपास उपस्थित सभी व्यक्तियों का आरटीपीसीआर टेस्ट अनिवार्य रूप से कराया जाये। राष्ट्रपति के अपर निजी सचिव अमरजीत सिंह से प्राप्त दिशा निर्देश के अनुसार मीडिया पब्लिसिटी में राष्ट्रपति की ऑफिसियल फोटो, जो राष्ट्रपति भवन के बेबसाइट पर उपलब्ध है उसी को ही डाउनलोड कर प्रचार प्रसार के लगाया जायें, कोविड पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है इसलिए भारत सरकार ने यह निर्देश दिया गया है कि राष्ट्रपति की कवरेज दूरदर्शन केन्द्र दिल्ली, आकाशवाणी एवं ए0एन0आई की टीम तथा सूचना विभाग की फोटो यूनिट द्वारा किया जायेंगा तथा पूर्व में प्रधानमंत्री के विगत कार्यक्रम की तरह सभी मीडिया एजेन्सियों को सजीव प्रसारण के लिंक एवं महात्वपूर्ण जानकारी दी जायेंगी। कोविड प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन करने तथा भारत सरकारध्गृह मंत्रालय द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का समयबद्ध पालन करने के साथ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय–समय पर समीक्षा किये जाने के निर्देश दिये गये है। रामायण कान्क्लेव का उद्घाटन राष्ट्रपति द्वारा रामकथा पार्क में किया जायेंगा। इस अवसर पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री उ0प्र0 व अन्य गणमान्य उपस्थित रहेंगे। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी नगर डा0 वैभव शर्मा, पुलिस अधीक्षक नगर श्री विजयपाल सिंह, उपनिदेशक सूचना सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने की विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

राष्ट्रपति के आगमन की तैयारी को बेहतर ढंग से करने का दिया निर्देश

अयोध्या। सूबे के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री डा0 नीलकण्ड तिवारी द्वारा आज सर्किट हाउस में विकास कार्यो की जिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारियो के साथ समीक्षा की गई। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने विकास कार्यो का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया तथा कहा कि आगामी 29 अगस्त 2021 को राष्ट्रपति के अयोध्या में आगमन हो रहा है उसमें मुख्य रूप से रामायण कान्क्लेव का शुभारम्भ और कुछ चिन्हित परियोजनाओ का लोकापर्णध शिलान्यास आदि कार्याक्रम प्रस्तावित है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अधिकारीगण दिन रात मेहनत कर महामहिम मा0 राष्ट्रपति जी के आगमन की बेहतर ढंग से तैयारी करे। यह तैयारी अयोध्या के अनुरूप हो तथा किसी प्रकार की कोई कमी न रहें।

उनहोंने समस्त कार्यक्रम स्थलो पर तैनात किये जा रहे मजिस्ट्रेटो व पुलिस अधिकारियो की एक–एक करके जानकारी ली। लोकापर्ण व शिलान्यास वाले स्थल पर साफ–सफाई व सजावट कराने को कहा। रेलवे स्टेशन व वहॉ से रामकथा पार्क तक मार्ग में पड़ने वाले चौराहो व मुख्य स्थलो का चयन कर लोक सांस्कृति कार्यक्रम कराने हेतु निदेशक अयोध्या शोध संस्थान को निर्देश दिये। कार्यक्रम स्थल के आस–पास एन्टीलार्वा का छिड़कावध्फॉगिंग कराने के निर्देश दिये। नालियो की विधिवत साफ–सफाई कराने के लिए नगर निगम को निर्देश दिये। रास्ते में पड़ने खम्भो से फालतू तारो को हटवाने, लटके पेड़ो की डालध खम्भो को ठीक कराने, लटकेध ढीले तारो को टाइट कराने फालतू तारो को हटानेध्स्ट्रीट लाइटो को ठीक कराने तथा खम्भो को पेंट कराने हेतु एएक्सईएन विद्युत को निर्देश दिये। दीवालो पर लिखे चीजो को साफ कराने के निर्देश दिये गये।

कार्यक्रम स्थल के तैयारियो, आने वाले लोगो के बैठने, पानी की व्यवस्था, सुरक्षा आदि के सम्बन्ध में भी निर्देश दिये। पुलिस विभाग को सभी सेन्टरो पर इंचार्ज लगाने के साथ ही सभी से आपस में समन्वय कर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिये। व्यवहार कुशलता के साथ सुरक्षा इंतजाम करने के निर्देश दिये। सुरक्षा एवं स्वच्छता से कोई समझौता न हो। सभा स्थल में कोई भी व्यक्ति काला कपड़ा, छाता आदि के साथ प्रवेश वर्जित रहेगा। आगामी चुनाव के दृष्टिगत अवांछित तत्वों पर विशेष ध्यान दें। दिन रात लगकर सभी तैयारियां समय से पूर्ण करें। मल्टीलेवल पार्किंग, पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर बेहतर साफ सफाई व्यवस्था, तुलसी उद्यान सुंदरीकरण, क्वीन हो मेमोरियल पार्क आदि के विकासधनिर्माण योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। यूपीआरएनएन को अपने कार्यो को 30 सितम्बर 2021 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। क्वीन हो मेमोरियल पार्क का दीपोत्सव पर होगा लोकार्पण, कार्यदायी संस्था यूपीआरएनएन के प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमोद यादव ने बताया कि 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है शेष कार्यो को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी के अलावा नगर आयुक्त विशाल सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव, मुख्य राजस्व अधिकारी पी0डी0 गुप्ता, पुलिस अधीक्षक नगर विजयपाल सिंह, परियोजना निदेशक आ0पी0 सिंह के अलावा पर्यटन संस्कृत, विद्युत, सिंचाई, राजकीय निर्माण निगम के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

शिकायत की जानकारी देने के बजाय एडीओ कोआपरेटिव ने की अभद्रता

करनैलगंज(गोंडा)। कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत ग्राम उल्लहा के मजरा अख्तियारापुर निवासी कृष्ण कुमार मिश्र ने कोतवाली में तहरीर दिया है। जिसमे कहा गया है कि वह सुगर, ब्लडप्रेशर का मरीज है। उसने स्वयं सहायता समूह में हुई गड़बड़ी से समन्धित शिकायत एसडीएम से की थी। जिसकी जानकारी लेने ब्लॉक कार्यालय गया था। जहां अपने विरुद्ध शिकायत की जानकारी देने के बजाय एडीओ कोआपरेटिव ने उससे अभद्रता करते हुये भगा दिया। अपना अपमान होता देखकर वह मूर्छित होकर गिर पड़ा। वहां मौजूद लोगों ने उसे चिकित्सक के पास पहुंचाया जहां दवा इलाज के बाद वह सही हुआ। पीड़ित ने ब्लॉक के जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। एडीओ कोआपरेटिव विजय मिश्रा ने बताया कि आरोप निराधार है। स्वयं सहायता समूह से सम्बंधित शिकायत उन्होंने एसडीएम से किया था। जिस पर एडीओ आइएसबी को मामले की जांच सौंपी गई थी। उसी दिन उन्हें हार्ट अटैक आ गया, और उन्हें लखनऊ ले जाया गया जहां इलाज चल रहा है। उसी के सम्बंध में वह जानकारी लेने आये थे, और मेरे पटल पर वह कर्मचारियों से अभद्रता करने लगे। उन्हें केवल जाने को कहा गया था, जिस पर वह भड़क उठे। कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में नही है। फिर भी यदि ऐसा है तो जांच कराकर कार्रवाई की जायेगी।

दादी प्रकाशमणि जी की पुण्यतिथि पर बड़े ही भव्य व सादगी के साथ हुआ शांति दिवस का हुआ आयोजन

गोण्डा।कर्नलगंज नगर में स्थित ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्थान केंद्र पर आज बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ शांति दिवस का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि जी की पुण्यतिथि के अवसर पर शांति दिवस के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे पूरे विश्व में संस्थान के सभी केंद्रों पर बड़े ही सादगी व भव्य तरीके से मनाया जाता है। जिसके क्रम में आज नगर के ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय संस्थान केंद्र पर बीके सुनीता के नेतृत्व में शांति दिवस के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बीके सुनीता के द्वारा दादी प्रकाशमणि जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया गया, जिसके बाद उनके चित्र पर उन्होंने पुष्पमाला अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धा पूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद बीके सुधांशु जी के द्वारा दादी जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया। साथ ही दादी जी के द्वारा किए गए जनकल्याण के बारे में लोगों को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। दादी प्रकाशमणि जी के मार्ग पर चलने के लिए कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों को प्रेरित किया गया। बीके सुधांशु जी ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य संपूर्ण विश्व में समानता व एकता की भावना को बढ़ावा देना। साथ ही जाति धर्म और मजहब के भेद को खत्म कर मानवता का धर्म सभी को सिखाना है। बी के सुधांशु जी ने कहा कि संस्थान लगातार शांति की क्रांति के लिए कार्य कर रहा है।

रिमोट सेन्सिंग तकनीक के माध्यम से प्रदेश के उत्थान में तत्पर प्रदेश स्तर का अग्रणी, रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स वैज्ञानिक संस्थान

बहराइच । रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स सेंटर, लखनऊ में एक स्वायत्तशासी संस्था के रूप में स्थापित है। प्रारम्भ से ही वायुवीय तथा उपग्रहीय संवेदन तकनीक एवं पारम्परिक तकनीकों के समन्वय से इस केन्द्र द्वारा उत्तर प्रदेश के विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों सम्बन्धी अध्ययन किये जाते रहे हैं। प्रदेश के चहुँमुखी विकास में योगदान देने हेतु इस केन्द्र द्वारा भू–सम्पदा, जल संसाधन, वन एवं कृषि सम्पदा, मृदा भूमि उपयोगिता भूमि आच्छादन तथा नगरीय संरचना सम्बन्धी कोष्ठां में अनेक बहुमूल्य आँकड़े सृजित किये गये हैं। केन्द्र की कार्यप्रणाली प्रमुखतः दो प्रारूपों में सम्पादित की गयी। प्रदेश के विभिन्न उपयोगकर्ता विभागों के अनुरोध पर सम्पादित कार्यो के रूप में तथा केन्द्र द्वारा संचालित शोध परियोजनाओं के रूप में। प्रदेश सरकार के उपयोगकर्ता विभागों में शनैः–शनैः सुदूर संवेदन की क्षमता एवं उपयोगिता के प्रति जागरूकता बढ़ी है तथा विभिन्न विभागों द्वारा पोषित परियोजना कार्यों में दिन–प्रतिदिन बढ़ोत्तरी हो रही है। इस संस्थान के प्रमुख कार्य क्षेत्र में जल संसाधन सम्बन्धी अध्ययन किया जाता है जिसमें प्रदेश के बाढ़ एवं सूखा प्रभावित क्षेत्रों का सेटेलाइट चित्रों से मानटरिंग, प्रदेश के सभी जिलों में तालाबों, पोखरों, झीलों जलाशयों तथा नहरों के समीप जल भराव के क्षेत्रों का सेटेलाइट चित्रों से मानचित्रण, प्रदेश में बाढ़ एवं सूखा प्रबन्धन हेतु राज्य आपदा प्रबन्धन कार्य योजना का सृजन, बुंदेलखण्ड तथा प्रदेश के अन्य दक्षिण पठारी क्षेत्र में जहॉ पानी की कमी है, नये ट्यूबवेल तथा हैण्डपम्प के लिए उपयुक्त स्थलों का चयन, जल गुणवत्ता आंकलन, प्रदेश की विलुप्त होने वाली नदियों के पुनरूद्धार संबंधी अध्ययन, प्रदेश में जलीय क्षेत्रों का मानचित्रण, प्रदेश में समेकित जलसंग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम, हिमालय के कतिपय क्षेत्रों में ग्लेशियर तथा हिमाच्छादित क्षेत्रों का अध्ययन आदि कार्य कराये जाते हैं।

नम आंखों से पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किया

करनैलगंज(गोंडा)। नम आंखों से पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। आदिशक्ति माता भवानी मंदिर चौक घंटा घर पर समाजसेवी एवं सामाजिक कार्यकर्ता सरदार जोगिंदर सिंह जानी के नेतृत्व में शोकसभा आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यपाल रहे कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पण करने के पश्चात उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया। जिस पर सभी की आंखें नम हो गई। जिन्होंने श्री राम जन्म भूमि मंदिर का मार्ग प्रशस्त करने में अहम भूमिका निभाई तथा सत्ता के मोह को बिना संकोच त्याग देने वाले एकमात्र मुख्यमंत्री रहे। इस मौके पर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष अशोक सिंघानिया, कृष्ण गोपाल वैश्य, महामंत्री भाजपा कन्हैया लाल वर्मा, भाजयुमो अर्चित पांडेय, एबीवीपी तहसील संयोजक ओमप्रकाश तिवारी, अमर सिंह, हियुवा अनिल गुप्ता, बिन्नू पांडेय, गोविंद सुलतानिया, सचिन गुप्ता, विमलेंद्र जायसवाल सभी सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अयोध्या में 06 ओवरब्रिज निर्माण के लिए रेलवे ने दी मंजूरी

अयोध्या। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए क्रासिंग पर बनने वाले 6 रेलवे ओवरब्रिज पर अपनी सहभागिता के लिए रेलवे ने मंजूरी प्रदान कर दी है। रेलवे ओवर ब्रिज का जल्द निर्माण प्रारम्भ करने के लिए सांसद लल्लू सिंह लगातार प्रयासरत थे। शहर में एक और रेलवे ओवरब्रिज को भी जल्द स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। वर्ष के अंत तक सातों रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का कार्य प्रारम्भ हो जायेगा। सांसद लल्लू सिंह ने बताया कि इन रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में 533 करोड़ 89 लाख 87 हजार का खर्च आयेगा। जिसमें 160 करोड़ 84 लाख रेलवे तथा 273 करोड़ 5 लाख 87 हजार सेतु निगम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा खर्च किया जायेगा। जिन रेलवे ओवरब्रिज की स्वीकृति मिली है। उसमें 121 मोदहा, 111 टेढ़ी बाजार, 107 दर्शननगर फोरलेन तथा 112 बड़ी बुआ, 108 अयोध्या दर्शननगर परिक्रमा मार्ग, 105 सूर्यकुंड टूलेन का निर्माण किया जायेगा। 118 फतेहगंज रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण हेतु रेलवे विभाग से स्वीकृति जल्द मिल जायेगी। इसी वर्ष के अंत तक इनमें कार्य प्रारम्भ हो जायेगा। उन्होने बताया कि देश विदेश से अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। अयोध्या में भ्रमण करते समय उनके समक्ष जाम की दिक्कतें न आये। इसके लिए इन रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार अयोध्या के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी परिकल्पना व सोच को जमीन पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सतत प्रयासरत है। जिसका परिणाम अब दिखाई देने लगा है। अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों को वैश्विक मानकों के अनुरुप सुविधाएं प्रदान कराना हमारी प्राथमिकता है।

शासन को प्रेषित प्रस्तावों की स्वीकृति हेतु राज्य स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

बहराइच । प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद स्तरीय समिति द्वारा अनुमोदित नवीन प्रस्तावों पर विचार–विमर्शध्अनुमोदन प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्य सचिव उ.प्र. शासन श्री राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। लोक भवन स्थित मुख्य सचिव के सभाकक्ष में आहूत राज्य स्तरीय समिति की बैठक में एन.आई.सी. बहराइच के कान्फ्रेन्सिंग कक्ष में भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम हेतु नामित सदस्यध्सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड के नेतृत्व में जिले के अधिकारियों द्वारा वर्चुअली प्रतिभाग किया गया। राज्य स्तरीय समिति की बैठक में अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रो हेतु जनपद से रू. 25 करोड़ 14 लाख 78 हजार की लागत से 399 नवीन प्रस्तावों पर चर्चा की गयी। बैठक के दौरान सांसद अक्षयवर लाल गोंड द्वारा मुख्य सचिव से अपेक्षा की गयी कि अल्पसंख्यक बाहुल्य आकांक्षात्मक जनपद बहराइच से प्रेषित नवीन प्रस्तावों पर अनुमोदन प्रदान की जाये ताकि प्रस्तावित परियोजनाओं को पूर्ण कर लोगों के लिए सुविधाओं का विकास किया जा सके।

गन्ना काश्तकारों ने बजाज चीनी मिल द्वारा गन्ने का भुगतान न किए जाने की शिकायत

करनैलगंज(गोंडा)। करनैलगंज गन्ना सहकारी विकास समिति के गन्ना काश्तकारों ने बजाज चीनी मिल द्वारा गन्ने का भुगतान न किए जाने की शिकायत उप जिलाधिकारी से करते हुए किसी दूसरे चीनी मिल से उनके खाते को सम्बद्ध करने की मांग की है। गन्ना समिति भभुआ करनैलगंज के खाताधारक दुर्गेश सिंह, शिवकुमार, संतोष अवस्थी, वीरेंद्र सिंह, धनलाल मिश्रा, अवधेश सिंह, अजय कुमार सिंह, अनिल दुबे, रामकुमार, पवन सिंह आदि समेत किसानों ने एसडीएम को दिया गया प्रार्थना पत्र में कहा है कि गन्ना समिति भभुआ के सभी खातेदार हैं और उनके गन्ने की बिक्री बजाज चीनी मिल के ग्रुप केंद्र पर बेचा गया था। जिसका भुगतान अब तक प्राप्त नहीं हुआ है। किसानों का अन्य कोई आय का स्रोत नहीं है। लोगों की जीविका संचालन में दिक्कत आ रही है। किसानों ने आगामी पेराई सत्र 2021–22 में अपने गन्ने की बिक्री क्रय केंद्र अतरसुइया, रामपुर अ, रामपुर ब, बहुमत मदार माझा को किसी अन्य चीनी मिल में आवंटित किए जाने और बकाया भुगतान दिलाए जाने की मांग की है। एसडीएम हीरालाल ने बताया कि चीनी मिल द्वारा गन्ना किसानों का भुगतान देने में विलंब किया जा रहा है। जिसके लिए चीनी मिल प्रबंधक को पत्र लिखकर भुगतान कराने के लिए कहा जाएगा।

माध्यमिक शिक्षकों ने एक दिवसीय धरना कर भरी हुंकार

बहराइच। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आज जनपद के माध्यमिक शिक्षकों ने एक दिवस का आकस्मिक अवकाश लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया । पुरानी पेंशन बहाली, वित्तविहीन शिक्षकों के मानदेय और विद्यालय की समय अवधि प्रातः 8रू00 से साईं 4रू30 बजे में परिवर्तन को लेकर प्रतिकूल मौसम में भी भारी संख्या में शिक्षकों ने हुंकार भरा। धरने का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष घनश्याम मिश्र ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार की नीतियां शिक्षक विरोधी है पुरानी पेंशन किसी भी कर्मचारी के सेवा के दौरान बने हुए जीवन स्तर को सेवा के बाद भी कायम रखती है। नई पेंशन व्यवस्था एक छलावा है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ दीनबंधु शुक्ला ने कहा की विद्यालयों की समय अवधि विसंगति पूर्ण है शिक्षक खुले मन से शिक्षा देने का कार्य करता है उसे प्रातः 8:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक प्रतिकूल परिस्थिति में विद्यालय में बांध कर रखना समझ से परे है। इस व्यवस्था में शिक्षक अपने आप को असहज महसूस कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी विद्यालयों में एक स्वस्थ वातावरण के सृजन की बात है सरकार का इस प्रकार का नियम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के विरुद्ध है। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए दिवाकर पांडेय ने कहा की शिक्षा देना एक सहज बोध का कार्य है सरकार इसे प्रतिकूल रूप से समयबद्ध करके और विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा देने के लिए शिक्षकों को बाध्य कर रही है जो निंदनीय है। राजेश कुमार चौबे ने इस अवसर पर कहा किस जो भी सरकार शिक्षकों का विरोध करती रही है उस सरकार को निश्चित तौर पर सत्ता से अलग होना पड़ा है। यह सरकार भी उसी रास्ते पर गतिमान है। संस्कृत विद्यालय के आचार्य डॉक्टर अरविंद त्रिपाठी ने कहा कि वर्तमान सरकार शिक्षकों के प्रति दुर्भावना रखती है यह उचित नहीं है। सरकार को शिक्षकों के प्रति संवेदना रखते हुए उनके प्रति सहज भाव रखना चाहिए। कृष्ण मोहन शुक्ला ने कहा कि जो भी सरकार है शिक्षकों का विरोध करती आई हैं उन सरकारों का हश्र बुरा हुआ है। सरकार को शिक्षकों के प्रति सहयोगात्मक रवैया अपनाना चाहिए ।रामू यादव ने सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए शिक्षक विरोधी बताया और कहा कि वर्तमान सरकार यदि अपना रवैया शिक्षकों के प्रति नहीं बदलती है तो इससे भी सत्ता से हटना पड़ेगा । योगेश चन्द्र दुबे ने कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने के लिये अभियान चलाने को कहा । जिला मंत्री शशीन्द्र पाठक ने प्रदेश स्तरीय मांग पत्र तथा जनपदीय मांग पत्र को प्रस्तुत किया। प्रदेश स्तरीय मांग पत्र में शिक्षकों को निःशुल्क चिकित्सा, महिला शिक्षकों को अवकाश, स्थानांतरण का सरलीकरण, तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण ,व्यवसायिक शिक्षकों का आमेलन जैसे बिंदु शामिल थे। जनपद स्तरीय मांगों में समय से वेतन भुगतान, चयन प्रोन्नत वेतनमान का निर्धारण, शिक्षकों के अवशेष का भुगतान, जीपीएफ का समय से भुगतान तथा नवाबगंज के प्रधानाचार्य के विवाद से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से वित्त एवं लेखा अधिकारी शिवेंद्र पांडे ने धरना स्थल पर उपस्थित होकर ज्ञापन प्राप्त किया तथा जनपद स्तरीय मांगों को 3 दिवस के अंदर निराकरण करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद बृजेंद्र कुमार शर्मा , कोषाध्यक्ष रामपाल यादव ,मनोज कुमार यादव बृजेंद्र मित्र, गिरजा शंकर पाण्डेय, जगत राम वर्मा, अभिषेक पाठक, उमेश शुक्ला ,रणजीत कनौजिया, राजेंद्र बाबू ,अमित कुमार सिंह, कैलाश प्रसाद ,यशवंत सिंह राव आदि कई लोग उपस्थित रहे।

18 सितम्बर से 06 अक्टूबर तक आयोजित होगी अंक सुधार परीक्षा

बहराइच जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि वर्ष 2021 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं का परीक्षाफल 31 जुलाई 2021 को बोर्ड की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि घोषित परीक्षाफल 2021 में सम्मिलित समस्त इच्छुक परीक्षार्थी उक्त परीक्षाफल में प्राप्त अंक या परिणाम में सुधार हेतु एक या एक से अधिक विषयों में बोर्ड द्वारा आयोजित आगामी परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि इच्छुक छात्र परिषद की वेबसाइट पर उपलब्ध आवेदन पत्र के प्रारूप को डाउनलोड कर उसे भरकर अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को अन्तिम तिथि 27 अगस्त 2021 को सायं 05:00 बजे तक उपलब्ध करा सकते हैं। परीक्षार्थियों से प्राप्त भरे हुये आवेदन पत्रों को विद्यालय के प्रधानाचार्य परिषद की वेबसाइट पर विद्यालय लागइन के माध्यम से प्रतिदिन अपलोड करेंगे। प्रधानाचार्य द्वारा आवेदन अपलोड करने की अन्तिम तिथि 29 अगस्त 2021 की रात्रि 12:00 बजे तक निर्धारित है।

यूथ हॉस्टल के स्थापना दिवस पर होगा हेरिटेज वॉक

अयोध्या। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साहसिक क्रियाकलापों को प्रोत्साहन देने वाली संस्था यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के स्थापना दिवस पर स्थानीय साकेत इकाई द्वारा गुप्तारघाट पर हेरिटेज वॉक का आयोजन कल 26 अगस्त को प्रातः किया जा रहा है। इस सम्बंध में अधिक जानकारी देते हुए इकाई सचिव अनुज भज्जा ने बताया कि प्रति वर्ष स्थापना दिवस पर साकेत इकाई द्वारा आयोजन किये जाते जाते है। इस वर्ष घूमने के लिए जाने वाले पर्यटकों की भी मदद की जाएगी जिससे कम से कम खर्च में अधिक से अधिक जगह घूमा जा सके। हेरिटेज वॉक का संयोजन प्रदेश उपाध्यक्ष एवं इकाई चौयरमैन अनूप मल्होत्रा कर रहे है।

उपकेन्द्र महदेवा बाजार में भरा पानी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोहास/सिद्धार्थनगर। प्राचीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जो अब उपकेन्द्र में तब्दील हो गया है हल्की बारिश होने पर वहां जल इकट्ठा हो जाता है जिसमें वहां आने जाने का कोई मार्ग नहीं बचता ऐसे में व्यक्तियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ग्रामीणों के अनुसार अगर इसी तरह महादेव उपकेन्द्र में पानी भरा रहे तो वहां कौन जा पाएगा। उपकेन्द्र स्थापित होने का मतलब क्या रह जाएगा। विभाग को इस समस्या को हल कराने का प्रयास करना चाहिए ताकि आने वाले के लिए सुलभ रास्ता हमेशा बना रहे।

डपजिलाधिकारी विकास कश्यप ने वोटर लिस्ट को लेकर दिया सख्त निर्देश

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। ब्लॉक परिसर में उपजिलाधिकारी ने समीक्षा कर बीएलओ ले खापाल सुपरवाइजर को वोटर को लेकर सख्त निर्देश दिए और उन्होंने कहां की 18 वर्ष के ऊपर जिन लोगो के निर्वाचन कार्ड न बना हो उनसे संपर्क करके कार्ड बनाया जाय और लोगो को समझाया जाय कि वोट डालने जरूर जाए और उपजिलाधिकारी विकास कश्यप ने कहा कि अपनी वोटर लिस्ट अपने मोबाइल से स्वंम चेक कर सकते है गरुण ऐप डाउनलोड करके अपना खुद नाम चेक कर सकते है । साथ में सदर उपजिलाधिकारी विकास कश्यप,खण्ड विकास अधिकारी संजय कुमार, विवेक मणि त्रिपाठी रहे मौजूद।

बालू से लदा ट्रक गड्ढों में फंसा राहगीरों को हो रही है दिक्कत

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। सोहस मार्ग के बसवानपुर में बालू से लदा ट्रक गड्ढों में फस गया और राहगीरों को आने जाने में बहुत समस्याएं हो रही है देर रात से लगातार बारिश होने से आने जाने वाले राहगीरों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है सड़क पर पानी का जमाव भी हो गया ट्रक फसने के वजह से लोग पानी में हलकर जा रहे है कभी भी दुर्घटना हो सकती है 12 घंटा बीत जाने के बाद भी नही निकल पाया ट्रक।

भारी बारिश के कारण डीहवा रोड पर जल जमाव

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिध्दार्थनगर। तहसील के अन्तर्गत इटवा नगर पंचायत मे डीहवा रोड पर हरिहर गैस एजेंसी से लेकर पुरे रोड पर भारी बारिश से जल जमाव हो गया। इससे मोहल्ले वासियों को आने जाने मे समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी रोड पर कई डाक्टर की क्लीनिक व गैस एजेंसी होने के कारण आम जनमानस व मरीजों को हो रही है समस्या। आये दिन बारिश के कारण रोड पर जल जमाव की समस्या बनी रहती है।

बाढ के कारण मुर्गी पालन और मछली पालन मे जल्द मिलेगा मुआवजा : उपजिलाधिकारी त्रिभुवन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। तहसील के उपजिलाधिकारी त्रिभुवन ने बताया कि तहसील डुमरियागंज अंतर्गत बगहवा गांव ब्लॉक खुनीयाव में कुक्कुट पालन कर रहे अवध राम की लगभग 200 मुर्गियां बाढ़ के कारण मर गई। अवध राम द्वारा बंधे और नदी के परिक्षेत्र में मुर्गी पालन और मछली पालन का व्यवसाय किया जा रहा था 200 मुर्गियों की क्षति के मुआवजे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही समस्त गांव वालों को अवगत कराया गया है कि जितनी फसल बर्बाद होगी उसका मुआवजा अति शीघ्र दिया जाएगा ।मौके पर लेखपाल कोटेदार और ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

बारिश में मकान गिरने से महिला की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिध्दार्थनगर। तहसील के अन्तर्गत के ब्लाक खुनियांव के ग्राम दुफेड़िया में आज सुबह भारी बारिश के कारण मकान गिरने के कारण तुलसीराम की पत्नी श्रीमती शारदा देवी के आक्समिक निधन हो गया। इसकी सूचना पाकर इटवा विधायक व शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी जी मृतक के आवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी और मौके पर मौजूद उपजिलाधिकारी इटवा को मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से परिवार को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए त्वरित कार्यवाई करने का निर्देश दिया।

एनडीआरएफ ने शोहरतगढ़ तहसील सभागार में आपदा से बचाव का दिया प्रशिक्षण

चन्दन कुमार श्रीवास्तव/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जिलाधिकारी सिद्धार्थ नगर दीपक मीणा की पहल पर गुरुवार को तहसील सभागार शोहरतगढ़ में फ्रंट लाइन वर्कर बाढ़ से पूर्व की तैयारी व प्रतिक्रिया विषयक प्रशिक्षण उप जिलाधिकारी शोहरतगढ़ शिव मूर्ति सिंह की अध्यक्षता में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में एनडीआरएफ टीम द्वारा बाढ़ से बचाव, रोड एक्सीडेंट, चोट लगने पर प्राथमिक उपचार सर्पदंश,भूकंप से निपटने के तरीको के बारे में प्रशिक्षण दिया गया । कार्यक्रम के दौरान एनडीआरएफ की संरचना, कार्यशैली,आपदा प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दिया गया, मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा बाढ़ जैसी आपदा से बचाव के लिए आपदा से पूर्व में अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी तथा बाढ़ के दौरान जीवन सुरक्षा व संसाधनों से निर्मित रक्षक जैकेट बनाने का तरीका, सांप काटने पर दीये जाने वाले प्राथमिक उपचार तथा भूकंप, भूस्खलन जैसी आपदाओं में घायल हुए व्यक्तियों को अस्पताल से पूर्व चिकित्सा के बारे में बताया गया। आपदा के दौरान या सामान्य जीवन में चोट लगने पर प्राथमिक उपचार जैसे ड्रेसिंग, बैंडेज, खून का बहाव रोकना, फैक्चर को स्थायित्व प्रदान करना, जीवन रक्षक सीपीआर का प्रशिक्षण, घायल व्यक्ति को एंबुलेंस या हॉस्पिटल तक ले जाने के लिए घरेलू सामानों के द्वारा स्ट्रेचर बनाने का तरीका, डूबे हुए व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देने का तरीका, आकाशीय बिजली से बचने का तरीका बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान एसडीएम शोहरतगढ़ शिवमूर्ति सिंह,तहसीलदार धर्मवीर भारती अवधेश कुमार राय नायब तहसीलदार , अनुपम शेखर तिवारी सलाहकार आपदा प्रबंधन सिद्धार्थनगर, ग्राम पंचायत अधिकारी शिक्षक, शिक्षामित्र, प्रधान, रोजगार सेवक,लेखपाल व तहसील स्तर के अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे।

गरीबों के मसीहा बन रहे नगर पंचायत अध्यक्ष निसार अहमद बागी

राजेश शर्मा/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के नेपाल बॉर्डर पर स्थित नगर पंचायत बढ़नी बाजार काफी मायनों में चर्चा में रहता है नेपाल बॉर्डर पर होने के नाते जनप्रतिनिधियों एवं शासन प्रशासन के लिए भी चुनौती रहता है इन्हीं चुनौतियों के बीच में वर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष निसार अहमद बागी किसी मसीहा से कम नजर नहीं आते हैं जहां निसार अहमद बागी प्रत्येक दिन नगर पंचायत के वार्डो में बाइक से घूम–घूम कर लोगों से उनकी समस्याएं पूछते हैं तो वही शाम को अक्सर दुकानों पर खड़े होकर लोगों की समस्याओं का समाधान भी करवाते हैं एक वाक्य गुरुवार को उस समय चर्चा में आया जब एक 70 वर्षीय महिला अपनी समस्या लेकर किसी तरीके से नगर पंचायत अध्यक्ष निसार अहमद बागी के कार्यालय में पहुंची तो उसकी दशा देखते ही नगर पालिका अध्यक्ष ने खड़े होकर पहले कुर्सी पर बैठाया फिर तुरंत कर्मचारी को बोलकर वृद्ध महिला को पानी पिलाया साथ ही महिला की समस्या को शांति से सुनकर उस का तत्काल समाधान करवाया,जिसको देखकर महिला की आंखों में जहां आंसू आ गए हैं वहीं वहां उपस्थित सभी लोग भी आश्चर्य में हो गए आखिर कितनी आसानी से सालों की समस्या को मिनटों में नगर पंचायत अध्यक्ष ने दूर कर दिया। यही स्थिति नगर पंचायत के वार्डो में रहने वाले लगभग सभी लोगों के लिए है कोई भी अपनी समस्या लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष के पास जाता है तो वह उसे पुरी संतुष्टि मिलती है आज जहां नगर पंचायत बढ़नी बाजार में हिंदू मुस्लिम भाईचारा का नारा बुलन्द है वही लोगों के बीच में बैठकर समस्या सुनने के कारण नगर पंचायत बढ़नी बाजार समस्या विहीन होता नजर आ रहा है। नगर पंचायत के वार्डों में जहां सरकार की योजनाओं को लागू किया जा रहा है वही काफी समय बाद आए युवा अधिशासी अभियंता अतुल सिंह के प्रयासों को भी लोग सराह रहे हैं लोगों का कहना है कि इन दो युवा जनप्रतिनिधि एंव अधिकारीयो के रहने पर नगर पंचायत का विकास जरूर होगा और सभी को सुविधाएं मिलेंगी।

ग्रामीण स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता अभियान

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। ब्लाक इटवा में जागरूकता अभियान के तहत इन सीटू फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र सोहना से चलकर आए वैज्ञानिकों ने फसल अवशेष प्रबंधन अपनी बात रखी जिसमें सर्वप्रथम केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ ओम प्रकाश ने बताया कि अवशेष जलाने से पोषक तत्वों का नुकसान व मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव व पर्यावरण सम्बन्धी दुष्परिणाम व अवशेषों को पशुचारा अथवा औद्योगिक उपयोग के लिए इकट्ठा करना एंव फसल अवशेष प्रबंधन जलाने से मृदा में होने वाली हानियाँ को विस्तृत से बताया। इन सीटू फसल अवशेष प्रबंधन के प्रोजेक्ट इंचार्ज डॉ प्रदीप कुमार चर्चा में कहा कि किसी भी दृष्टिकोण से फसल अवशेषों को जलाना उचित नहीं है अतः किसानों को फसल अवशेष प्रबन्धन के इस विकल्प पर अमल करने की जरूरत है। डॉ एस एन सिंह चर्चा में कहा कि संरक्षण कृषि प्रणाली का अंगीकरण व फसल विविधीकरण द्वारा अवशेष जलाने की समस्या से निजात मिल सकता है। चर्चा में वरिष्ठ वैज्ञानिक पशुपालन डॉ डी पी सिंह ने बताया कि पराली को खेत में सड़ा दिया जाए तो उर्वरकों की मात्रा को कम डाल कर अच्छा प्रोडक्शन गेहूं में ले सकते हैं। नीलम सिंह ने फसल अवशेषों को मिट्टी में मिश्रित करना पर जोर दिया।प्रगतिशील किसानों ने भविष्य में भी फसल अवशेष को ना जलाने के लिए सभी किसान भाई के साथ ही संकल्प लिया कि हम फसल नहीं जलाएंगे। आनंद वर्मा, विजय चौधरी, ओम प्रकाश चौधरी, नीवर, सिकंदर, विक्रम अनवर अली, रामनिवास, जगदीश यादव आदि लोग मौजूद रहे ।

गौरव मिश्र बने भारतीय जनता युवा मोर्चा सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर से युवा नेता गौरव मिश्रा को पार्टी ने अपना विश्वास दिखाते हुए जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। गौरव मिश्रा को जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर युवा मोर्चा के कार्यकर्ता में हर्ष और उत्साह देखने को मिला और बधाइयां देने वालों का तांता लग गया है। बताते चलें कि गौरव मिश्रा डुमरियागंज के फत्तेपुर गांव के निवासी हैं और भारतीय जनता युवा मोर्चा के निवर्तमान जिला महामंत्री व पूर्व में भारतीय जनता पार्टी के डुमरियागंज मंडल के अध्यक्ष पद के दायित्व का भी निर्वहन कर चुके हैं और पार्टी ने उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौंपी है उसका उन्होंने पूरी कर्तव्य परायणता के साथ निर्वहन किया है। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष गौरव मिश्रा ने कहा कि, शीर्ष नेतृत्व ने मुझ पर जो विश्वास दिखाया है मैं उसका ऋणी रहूंगा भारतीय जनता पार्टी के मेरुदंड के रूप में कार्य करने वाली युवा मोर्चा में युवाओं के दम पर जिले की सभी विधानसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय के लिए पूरी कर्तव्यनिष्ठता एवं कर्तव्य परायणता के साथ पार्टी को मजबूत करने में अपना योगदान सुनिश्चित करूंगा। गौरव मिश्रा को भाजपा युवा मोर्चा का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद माधव, स्वास्थ्य मंत्री राजा जय प्रताप सिंह, बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी, सांसद जगदंबिका पाल, प्रदेश कार्यालय सह प्रभारी युवा मोर्चा सनी श्रीवास्तव, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनोज मौर्य, क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा शिवनाथ चौधरी, युवा नेता विकास पाण्डेय, नीलेश चौधरी, अर्चिसमान मिश्र, नीरज त्रिपाठी, प्रिंस गुप्ता, अविनाश सिंह सहित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई दिया और उज्जवल कार्यकाल की कामना की।

बारिश के बीच राष्ट्रपति के कार्यक्रम की तैयारियां चरम पर

दैनिक बुद्ध का संदेश

- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे 28 को सूबे के पहले आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास
- मुश्किलों से जूझता नजर आ रहा गोरखपुर प्रशासन

गोरखपुर। जिले के भटहट ब्लॉक के पिपरी व तरकुलही में बनने जा रहे उत्तर प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास 28 अगस्त को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों होगा। शिलान्यास समारोह को भव्य और यादगार बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद इंतजामों पर नजर रखे हुए हैं। वहीं लगातार हो रही तेज बारिश से कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर प्रशासन के हाथ पांव फूलते नजर आ रहे हैं। कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने वाले रास्ते से लेकर पंडाल और आसपास जलजमाव को हटाने के लिए युद्ध स्तर पर इंतजाम किए जा रहे हैं । इस काम में सैकड़ों मजदूर दिन रात लगे हुए हैं। मौके पर एसडीएम सदर लगातार कैम्प कर तैयारियों का अवलोकन करने के साथ आवश्यक दिशा निर्देश देते नगर आये। हालांकि लगातार हो रही बरसात में तैयारियों को लेकर कुछ बताने से इनकार करते हुए कहा कि बारिश हो रही है ऐसे में अब क्या कहा जाए। बताते चलें कि पिछले मंगलवार को दोपहर सीएम योगी लखनऊ से हेलीकॉप्टर से सीधे समारोह स्थल पर बने हेलीपैड पर पहुंचे। वहां उन्होंने तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिया था। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम के दौरान न तो कहीं सफाई में कमी आनी चाहिए और न ही किसी को असुविधा होनी चाहिए। इसके पूर्व 5 अगस्त को भी मुख्यमंत्री तैयारियों का जायजा ले चुके हैं।

बरसात के दिनों में ग्रामीणों का घर से निकलना हुआ मुश्किल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसगांव/गोरखपुर। बांसगांव जैसा कि सुनने में बहुत ही अच्छा लगता है कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है परंतु गांव की दुर्दशा देखकर ऐसा लगता है कि अब आत्मा का दम घुट रहा है। हम बात कर रहे हैं मुख्यमंत्री के गृह जनपद के विकासखंड बांसगांव के ग्राम सभा अम्मरपुर के गांव का ,जहां पर बरसात के समय में टूटी फूटी बीसो साल पहले बनी सड़को (खड़ंजा या आरसीसी) का स्थिति को देखकर यह आभास होता है कि यह गांव किसी बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का है। इन दिनों महिलाएं बच्चों बुजुर्गों को घर से निकलने पर चोटिल होने की संभावनाएं इन गांवो में अधिक दिख रहे हैं। प्रदेश के मुखिया का मूल उद्देश्य है कि ग्राम स्तर पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए और सभी व्यवस्था को मजबूत व सुदृढ़ बनाया जाए परंतु जिम्मेदार इस विषय पर घोर लापरवाही बरतते नजर आ रहे हैं। जिम्मेदारों की लापरवाही का नतीजा यही रहा तो 2022 के विधानसभा चुनाव में विपक्ष को यह कहने का मौका दिया जायेगा कि यदि मुख्यमंत्री के गृह जनपद का हाल बदतर है तो अन्य जिलों का क्या होगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को दी श्रद्धांजली

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। उसका रेस्ट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को श्रृद्धांजली दी ओर पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के अच्छाइयों के बारे में बताया गया मण्डल अध्यक्ष जगदीश जयसवाल ने कहा कि कल्याण सिंह ऐसे मुख्यमंत्री थे जो कि राम जी के भक्त है और कल्याण जी की इच्छा थी कि राम मंदिर अयोध्या में बने और उसे भाजपा की सरकार बनते ही राम मंदिर बन भी रहा है उनके जाने से सभी भाजपा कार्यकर्ता शोक में डूबे हुए है। भाजपा जिला मंत्री बिंदु मती मिश्रा,मंडल अध्यक्ष जगदीश जयसवाल,मंडल महामंत्री सत्यम पांडेय, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अरुण मिश्रा, हेमंत जायसवाल, सत्यप्रकाश राही, जय प्रकाश पांडेय, सुरेंद्र पांडेय, सत्यनारायण जायसवाल, चंद्रभान पहलवान, रामजीत यादव, वृजनारायण सिंह, शिव प्रसाद लोधी, जितेंद्र पांडेय, सचिदानंद चौबे आदि लोगो ने दी श्रद्धांजली।

समाजवादी छात्र सभा ने यूथ बिग्रेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया जोरदार स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरातगढ़/सिद्धार्थनगर। छात्रसभा जिलाध्यक्ष विष्णु उमर के नेतृत्व में समाजवादी छात्रसभा के कार्यकर्ताओं ने सपा कार्यालय शोहरतगढ़ पर मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह का जोरदार स्वागत किया। यूथ बिग्रेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह ने कार्यकर्ताओं से उनका परिचय प्राप्त कर आशीर्वाद दिया व कार्यकर्ताओं को 2022 में अखिलेश यादव की सरकार बनाने का लक्ष्य दिया। स्वागत समारोह में विष्णु उमर वकार मोइज खान,उपाध्यक्ष राहुल यादव,मोहम्मद शहजाद, ,नागेश्वर मिश्र गोलू, शशांक शेखर त्रिपाठी,प्रशांत,मुखतार खान, हेमंत गौतम, आमिर खान, अजमेरी हुसैन,वकील खान,आकाश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

जिला प्रशासन ने किया राशन का वितरण,बाढ़ पीड़ितों के साथ सरकार–सत्यप्रकाश राही

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। तहसील मे आई बाढ़ के कारण मरुण्ड ग्राम भलुहा तप्पा नगवा तहसील नौगढ मे गुरुवार को तहसीलदार नौगढ राम ऋषि रमन, सदर विधायक प्रतिनिधि सत्यप्रकाश राही व प्रधान प्रतिनिधि शिवप्रसाद द्वारा मैरुण्ड ग्राम मे राशन वितरण किया गया। आपको बता दें कि जनपद सिद्धार्थनगर के अधिकांश तहसील में बाढ़ का कहर आया हुआ है यहां डुमरियागंज में इटवा विधानसभा हालत गंभीर है वही नौगढ़ तहसील में भी हालत बिगड़ती जा रही है जिसको देखकर लगातार शासन और प्रशासन बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आ रहा है राशन वितरण के दौरान बाढ़ पीड़ित ग्राम पंचायतों के सैकड़ों लोग अपनी व्यथा और शासन प्रशासन की व्यवस्था की सराहना की।

सम्पादकीय

ऐसे में टीकाकरण अभियान में भारतीय चिकित्सा वैज्ञानिकों की यह उपलब्धि हौसला बढ़ाने वाली है। उस दिन हम और मजबूत होंगे जब देश शिशुओं को सुरक्षा कवच देने वाली वैक्सीन हासिल कर लेगा। दरअसल, शिशुओं के संक्रमित होने की स्थिति में बड़ों के ...

अब किशोरों की बारी

ऐसे वक्त में जब चिकित्सा विशेषज्ञ लगातार कहते रहे हैं कि कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर का खतरा बच्चों के लिये अधिक होगा, डीएनए आधारित जायडस कैडिला के तीन खुराक वाले टीके जाइकोव–डी को आपातकालीन उपयोग के लिये भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल की अनुमति मिलना सुखद ही है। हमारी कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई और घरेलू दवा उद्योग के लिये भी यह बड़ी उपलब्धि है। दरअसल, यह टीका बारह साल से अधिक उम्र के बच्चों के लिये है। ऐसे वक्त में जब देश के विभिन्न राज्यों में बच्चों के स्कूल–कालेज खुल रहे हैं, किशोरों के लिये टीके का उपलब्ध होना भरोसा जगाने वाला ही कहा जायेगा। जाहिर–सी बात है कि जब बच्चे स्कूल–कालेज के लिये निकलेंगे तो उनका भीड़ के संपर्क में आना तय होगा। ऐसे में तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच इस टीके का अक्तूबर में उपयोग के लिये उपलब्ध होना सुरक्षा का अहसास कराता है। दरअसल, देश में वयस्कों के लिये तो तीन टीके कोवैक्सीन, कोविशील्ड व स्पूतनिक थे, लेकिन किशोरों के लिये कोई टीका उपलब्ध नहीं था। निस्संदेह देश के महत्वाकांक्षी टीकाकरण अभियान को इस नये टीके के आने से गति मिलेगी। विशेष बात यह भी है कि तीन खुराक के रूप में दिया जाने वाला यह टीका सुई के जरिये नहीं लगेगा। कई बच्चों में सुई से टीका लगाने को लेकर भय रहता है जो टीकाकरण से बचने की कोशिश करते हैं। वैसे यह टीका किशोरों के साथ बड़ों को भी दिया जा सकता है। अच्छी बात यह भी है कि टीके ट्रायल परीक्षणों में तीसरे चरण के बाद टीके की 66.6 फीसदी प्रभावकारिता पायी गई है। उम्मीद है कि निकट भविष्य में दो खुराक वाला टीका भी आएगा। ऐसे वक्त में जब स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक दिन में नब्बे लाख टीके लगाने का लक्ष्य रखा है, दूसरे स्वदेशी टीके के आने से उसे निश्चित रूप से गति मिलेगी। अच्छी बात यह भी है कि टीका जिस तापमान में संगृहीत किया जाना है, वह भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल है। दरअसल, विकासशील देशों में टीकाकरण की जो गति है, उसके मुकाबले हम बेहतर स्थिति में हैं। दुनिया में एक–चौथाई आबादी को टीकाकरण के बावजूद गरीब मुल्कों में टीकाकरण की स्थिति महज 0.6 फीसदी है। जबकि पचास फीसदी लोग अमीर देशों के हैं। निस्संदेह यह स्थिति कोरोना संक्रमण के खिलाफ हमारी वैश्विक लड़ाई को कमजोर करती है। बहरहाल, तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच इस नये टीके के आने से भारतीय अभिभावकों की चिंता कुछ कम हुई है। हालांकि, इस बात का कोई प्रामाणिक आधार नहीं है कि तीसरी लहर का ज्यादा असर बच्चों पर ही होगा, लेकिन लोगों में यह आम धारणा बन गई है। यद्यपि सीरो सर्वे बता रहा है कि संक्रमण की दूसरी लहर में बच्चे भी बड़ी संख्या में संक्रमण का शिकार बने हैं। लेकिन पहले चिंता ज्यादा थी क्योंकि बच्चों के लिये कोई टीका उपलब्ध नहीं था। जाइकोव–डी आने से हम बच्चों की सुरक्षा के प्रति आश्वस्त हो पायेंगे। कंपनी का दावा है कि वह सालाना तौर पर दस से बारह करोड़ डोज का उत्पादन कर सकेगी। बताया जा रहा है कि नया टीका डेल्टा वायरस व वायरस के अन्य रूपों पर भी प्रभावी होगा। जायडस कैडिला की यह वैक्सीन ऐसे समय में आई है जब देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति में गिरावट है, लेकिन भविष्य की आशंकाओं के बीच यह हमारी ताकत बन सकती है। देश के 56 करोड़ से अधिक वयस्कों को वैक्सीन की पहली डोज लग पाना कोरोना संक्रमण के खिलाफ हमारे मजबूत इरादों को जाहिर करता है।

तालिबान मायने झूठ, अफीम और हथियार

आलोक पुराणिक

चालू विश्वविद्यालय ने तालिबान की अर्थव्यवस्था विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया था, इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त निबंध इस प्रकार है – तालिबान अर्थव्यवस्था विश्व की अजूबा अर्थव्यस्थाओं में शुमार की जा सकती है, जहां पर हथियार एकदम लेटेस्ट हैं और किताबें पुरानी भी उपलब्ध नहीं हैं। किताबों को आधुनिकतम हथियारों से जलाने की तकनीकी में महारथ हासिल है तालिबान को। तालिबान के पास पैसा हथियार के लिए है, किताबों के लिए नहीं। हथियार से किताब पढने–लिखने वालों को मारते हैं।

हथियार बेचने वाले इस दुनिया के सबसे शातिर कारोबारी हैं। विकसित देशों में हथियारों का विकास करते हैं हथियारों के कारोबारी फिर वो इन्हें अविकसित देशों में बेचते हैं। तालिबान आठवीं शताब्दी के दिमाग के साथ 21वीं शताब्दी के हथियार चलाते हैं। राकेट लांचर इधर से उधर लिये घूमते हैं। राकेट लांचर का कोई पुरजा बना पायें तालिबान, इतनी शिक्षा न हासिल उनको। पर राकेट लांचर से लोगों को मारने की पूरी ट्रेनिंग उनके पास है। भारत के वो जाहिल किस्म के शायर वगैरह भी तालिबान के समर्थन में हैं, जिनके लिए काला अक्षर भैंस बराबर है, जिनके लिए बंदूक और किताब दोनों एक बराबर है। शायर होकर भी आदमी जाहिल रह सकता है इससे पता चलता है कि जहालत, मूर्खता की कोई सीमा नहीं होती।

तालिबान अफीम उगाते हैं। तालिबान एक साथ दो किस्म की अफीम बेचते हैं–एक धर्म की अफीम, दूसरी सचमुच की अफीम नशेबाजी वाली अफीम। जानकार बताते हैं कि धर्म की अफीम से ज्यादा लोग मर जाते हैं। हथियार और अफीम पर टिकी तालिबान अर्थव्यवस्था में कभी मंदी नहीं आती, क्योंकि इनके धंधे कभी मंदे ही न होते। तालिबान के सबसे बड़े समर्थक हैं पाकिस्तान के नेता जो खुद भी लगभग तालिबान ही हैं। कुल मिलाकर पाकिस्तान और तालिबान का मामला एक ही है। ये पूरी दुनिया के दुश्मन हैं। पर इससे कुछ न होता, हथियार उन्हें मिलते रहेंगे, क्योंकि हथियार बेचने वाले सिर्फ रकम देखते हैं। रकम है तालिबान के पास, जो वो अफीम से हासिल करते हैं। तालिबान का एक और बड़ा कारोबार है, झूठ का। तो कुल मिलाकर हम मान सकते हैं कि झूठ, अफीम और हथियार ये बहुत बड़े कारोबार हैं और इनसे बहुत मोटी कमाई संभव है। इतनी मोटी कमाई संभव है कि अमेरिका जैसा बड़ा देश, बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश भी तालिबान से डरकर भाग लिया।

बुनियादी संरचना में निवेश की दिशा बदलें

पांचवा उदाहरण 5जी इंटरनेट का लें। आम आदमी के लिए 4जी पर्याप्त है। उसके बच्चे को ऑनलाइन क्लास में सम्मिलित होना होता है अथवा उसे बगल के शहर में फसल के मूल्य की जानकारी की जरूरत होती है। लेकिन 5जी इंटरनेट से भारी मात्रा में सूचना का आदान–प्रदान आसान हो जाता है। जैसे डाटा एनालिसिस करने वालों का कार्य सुलभ हो जाता है। अतरू 5जी इंटरनेट से उच्च वर्ग को अधिक लाभ ...

भरत झुनझुनवाला

तमाम अर्थशास्त्रियों का मानना है कि देश के आर्थिक विकास के लिए हमें बुनियादी संरचना को सही करना होगा, जैसे हाईवे, विद्युत, इंटरनेट इत्यादि को। सड़क सही नहीं होती है तो व्यापार नहीं पनपता है। अध्ययनों में पाया गया है कि ग्राम विकास के लिए सबसे अधिक प्रभावी निवेश पक्की सड़क में होता है। सड़क उपलब्ध हो जाने से गांव के लोग अपने माल को आसानी से शहर तक ले जाकर बेच सकते हैं और गांव का विकास होने लगता है। वर्तमान एनडीए सरकार ने बुनियादी संरचना में निवेश में भारी प्रगति की है, विशेषकर हाईवे और जलमार्ग में। सरकार के पूंजी निवेश में बुनियादी संरचना प्रमुख हिस्सा होता है। पिछले वर्ष 2020–21 में केंद्र सरकार ने 4. 39 लाख करोड़ रुपये का पूंजी निवेश किया था जो वर्तमान वर्ष 2021–22 में 5. 54 लाख करोड़ होने का अनुमान है। इसमें 29 प्रतिशत की भारी वृद्धि की गई है।

फिर प्रश्न उठता है कि बुनियादी संरचना में इतने निवेश के बावजूद एनडीए सरकार के ही पिछले 6 वर्षों में हमारी आर्थिक विकास दर लगातार गिर क्यों रही है? इसका कारण संभवतरू यह है कि हम गलत बुनियादी संरचना में निवेश कर रहे हैं, जैसे मरीज को दवा देना जरूरी होता है लेकिन गलत दवा देने से नुकसान हो जाता है। यह बात कुछ उदाहरणों से समझी जा सकती है। फुट ओवर ब्रिज को लें। चौराहे पर पैदल यात्रियों के लिए फुट ओवर ब्रिज बना दिया जाता है। इससे आम आदमी को सड़क पार करने में समय अधिक लगता है। ऊपर चढने और उतरने में उसकी ऊर्जा व्यय होती है जबकि नीचे कार के सरपट भागने और लाल बत्ती के हटाए जाने से उच्च वर्ग को आसानी होती है। वह अपने गंतव्य स्थान पर शीघ्र पहुंच सकते हैं। हां आम आदमी के जीवन की रक्षा होती है और उच्च वर्ग को दुर्घटना से बचने में मदद भी मिलती है। लेकिन अंत में आम आदमी पर फुट ओवर ब्रिज का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि उच्च वर्ग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसका उपाय यह है कि फुट ओवर ब्रिज के साथ स्वचालित एस्केलेटर लगाया जाए, जिससे कि आम आदमी के समय की बर्बादी न हो और एस्केलेटर चलाने का खर्च नीचे दौडने वाली कार से वसूल किया जाए। दूसरा उदाहरण हाईवे का लें। हाईवे पर गाड़ी बिना व्यवधान के दौड़ सके, इसलिए दोनों तरफ तार लगा दिए जाते हैं। हाईवे के एक तरफ रहने वाले को हाईवे के दूसरी तरफ अपनी जमीन तक पहुंचने के लिए अब 5 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है क्योंकि ट्रैक्टर को हाईवे पार कराना अब संभव नहीं रह गया है। इसलिए हाईवे से किसान की लागत बढ़ जाती है। इसके विपरीत हाईवे पर चलने वाले ट्रक को सुविधा होती है। ट्रक पर ढोए जाने वाले माल का ढुलाई खर्च कम हो जाता है। लेकिन ट्रक पर ढुलाई किये जाने वाले माल की खपत अनुमान से 80 प्रतिशत उच्च वर्ग द्वारा ही की जाती है। साथ–साथ हाईवे बनाने में जो सीमेंट, स्टील और मशीन का उपयोग किया जाता है, वह भी बड़ी कंपनियां ही सप्लाई करती हैं। हाईवे का अंतिम परिणाम आम आदमी पर नकारात्मक पड़ता है। इतना अवश्य है कि उसके द्वारा भी बाजार से खरीदी जाने वाली वस्तुओं के दाम में गिरावट आती है। लेकिन बाजार से आम आदमी माल कम खरीदता है और उच्च वर्ग ज्यादा। इसलिए उच्च वर्ग को विशेष लाभ होता है। इसका उपाय यह है कि हाईवे बनाने के साथ–साथ ग्रामीण सड़कों पर भी भारी निवेश किया जाए, जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रों एवं कस्बों में आम आदमी के लिए भी कार्य करना लाभप्रद हो जाए। हाईवे बनाने से उसका जो उसे नुकसान होता है, उसकी भरपाई कस्बे की अच्छी सड़क से हो जाए। तीसरा उदाहरण जलमार्ग का लीजिए। जलमार्ग बनाने से नदी पर बड़े जहाज चलने लगते हैं और मछुआरों का धंधा समाप्तप्राय हो जाता है। छोटे नाविकों का धंधा भी कमजोर पड़ जाता है। इसके विपरीत जल मार्ग से कोयले आदि माल की ढुलाई की लागत कम हो जाती है। कोयले से उत्पादित बिजली की भी लागत कम हो जाती है। लेकिन उस बिजली की खपत भी एल्युमिनियम जैसे उद्योगों और बड़े शहरों में एयर कंडीशनर इत्यादि उपकरणों को चलाने में अधिक होता है। इस प्रकार जलमार्ग का मछुआरों और नाविक पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि उच्च वर्ग को सस्ती बिजली और सस्ते माल की उपलब्धि होने से लाभ होता है। इसका विकल्प यह है कि जलमार्ग के स्थान पर रेल मार्ग से ढुलाई की जाए, जिससे आम आदमी पर दुष्प्रभाव कम पड़े। चौथा उदाहरण खनिज के खदान का लें। आज तमाम खनिज हमारे जंगलों के नीचे दबे पड़े हैं। इन्हें निकालने के लिए उनके ऊपर के जंगलों को काटा जाता है। इससे स्थानीय लोगों को महुए के फूल, चिरौंजी के दाने, तेंदू पत्ता, पशुओं का चारा इत्यादि सभी नष्ट हो जाते हैं। आम आदमी की आय में गिरावट आती है। खदान से जो खनिज निकाले जाते हैं–लोहा, एल्युमिनियम अथवा तांबा इत्यादि जो माल बनाया जाता है, उसकी खपत भी उच्च वर्ग ही ज्यादा करते हैं। अंतिम परिणाम आम आदमी के लिए नकारात्मक और उच्च वर्ग के लिए सकारात्मक होता है। इसका उपाय यह है कि जंगल काटने से पहले आम आदमी को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए और खदान करने के बाद उस भूमि पर पुनरू जंगल को लगाया जाए। तब आम आदमी पर महुए, चिरौंजी, तेंदू पत्ता इत्यादि के समाप्त होने से पडने वाले नकारात्मक प्रभाव की भरपाई हो पाएगी.

{ जो गति वे प्राप्त करते हैं वह हैरान करने वाली होती है–मेरे गांव के बुजुर्ग ने एक बार शरारतन मुझे इस पर चालक के साथ बैठा लिया, खुद वे बैल हांकने के लिए मुझसे आगे थे और पीछे मुझे छोटी सीट पर बैठा दिया जहां संतुलन के लिए पकडने को कुछ नहीं था, बैलों द्वारा गति पकडने के साथ दिमाग में जो उन्माद–सा भरने वाला नशा, जैसा ठेठ रोमांच जो उस दिन महसूस किया, उसका अहसास आज तक... }

यादों में बाकी खेल–मेले और महफिल

गुरबचन जगत

मैं अपने अंकल के कंधों पर बैठा हुआ था और हम लोग खेतों से होकर गांव के बाहर मैदान की ओर जा रहे थे। जैसे–जैसे हम नजदीक पहुंचते, बढ़ते कोलाहल से रोमांच महसूस होने लगा था। मैं उस वक्त बहुत छोटा था, कंधे पर बैठा मैं रास्ते भर गंतव्य को लेकर जिज्ञासु रहा, वे लगातार बताते रहे कि हम शछिंज्य देखने जा रहे हैंकृयह शब्द मैंने पहले कभी नहीं सुना था, फिर उन्होंने मुझे समझाया कि यह कुश्तियों का दौर होता है, जिसमें इलाके के युवा भाग लेते हैं। वहां देखा कि अखाड़े के बीचों–बीच एक बड़ा–सा गोल दायरा था। मिट्टी को खोदकर नरम किया हुआ था ताकि चोट न लगे। कुछ मुकाबले पहले ही घोषित हो चुके थे और कुछ उस वक्त घोषित किए जाते थे, जब पहलवान गोल दायरे में दाखिल होकर खुली चुनौती देकर ललकारता था। कुश्ती शुरू होती, लंगोट कसे हुए पहलवानों की हौसला अफजाई दर्शक चीख–चीखकर करते। मुकाबला किसी एक के चित्त होने तक जारी रहता। रंग–बिरंगे कुर्ते और तहमद से सजे लोग अपने–अपने प्रिय प्रतियोगी का उत्साह बढ़ाते रहते। उस वक्त शर्त या जुआ जैसी कोई चीज नहीं हुआ करती थी, लेकिन प्रशंसक चहेते प्रतियोगी को हौसला बढ़ाने को कुछ पैसा दिया करते थे। माहौल उल्लासमय, तनाव एवं मदिरा रहित हुआ करता था। लोगों की भीड़, शोर–शराबा, लंगोट कसे पहलवानों को देखकर मैं अभिभूत हो उठा था, जिसकी खुशनुमा स्मृति आज तक वैसी कायम है। तो इस किस्म के खेल और मनोरंजन उन दिनों हुआ करते थे। गर्मियां आने पर शाम की ठंडक में गांव के किशोर और युवा कबड्डी खेला करते थे। गांव के पास खाली पड़ी किसी जगह को खोदकर नर्म कर लिया जाता था। केवल श्कच्छेहराय पहने लड़के, जिनका शरीर तेल से चुपड़ा रहता था, खुद को दो समूहों में बांटकर खेल शुरू कर देते। जीत पाने को मैच पूरी शिद्दत से खेले जाते थे, लेकिन बिना कोई शर्त बदे। कुछ दिनों के बाद क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए इन्हीं लड़कों में छांटकर गांव की टीम तैयार होती थी, जो एक या दो दिन चलती थी। घर लौटते वक्त रास्ते भर हल्की–फुल्की चुहल और तानाकशी के साथ खेल का पूरा पोस्ट–मार्टम होता रहता। गर्मियों में कबड्डी खेलना नित्यकर्म था और समय के साथ इसमें वॉलीबाल जुड़ गई। यह खेल सस्ता था क्योंकि केवल एक गेंद और जाल की जरूरत थी – जो अधिकाशतरू छुट्टी पर गांव आया कोई फौजी दान में देता था। हमारे गांव की टीम बेहतरीन हुआ करती थी, खासकर गर्मियों में, जब कॉलेज में पढने वाले युवा छुट्टी पर घर आए होते। हम में एक खिलाड़ी चन्नन सिंह का चयन तो भारतीय टीम में हो गया था, लेकिन वह जा नहीं पाया था। वॉलीबाल ही एकमात्र खेल था, जिसमें हम शर्त लगाया करते थे– हारने वाली टीम विजेता को दूध–सोडा (बर्फ वाले दूध में कंचे वाली बोतल का सोडा मिलाकर बनाया पेय) पिलाना पड़ता था। चूंकि उन दिनों मैं छुट्टियों में गांव आया एक स्कूली छात्र हुआ करता था, इसलिए विशेष लिहाज करके मुझे एक गिलास वह मिल्कशेक– जो दरअसल घोल था न कि शेक– दे दिया करते थे।

कुश्ती ग्रामीण खेलों का खासम–खास अंग थी, इसलिए तमाम सभाओं में पहलवानों की गाथाएं किंवदंतियों की तरह चलती थीं, खासकर गामा पहलवान की कहानियां, जो महाराजा पटियाला का शाही पहलवान था (महाराजा क्रिकेट को भी बढ़ावा देते थे और खुद भी एक अच्छे खिलाड़ी थे)। कुश्तियां एक और आयोजन का भी अभिन्न अंग थीं और वह था मेला। यह मेले समय–समय पर अलग–अलग गांवों में हुआ करते थे– एक तरह का क्रमवार आयोजन, जिसकी तारीख हर किसी को याद रहती थी। मेलों में विभिन्न मिष्ठान, बच्चों के लिए झूले आदि औरतों के लिए चूडियां और अन्य छुट–पुट सजावटी सामान, हस्त निर्मित पच्चीकारी से सजे सुंदर श्खूंडेय (सिरे से मुड़े हुए लठ) इत्यादि बेचने वाले दुकानदार जुटते थे। यहां भी कबड्डी और कुश्ती प्रतियोगिता चलती थीं, लेकिन उच्चस्तरीय और अधिक अवधि वाली, क्योंकि मेले में जुटने वाले ज्यादा संख्या में हुआ करते थे। इस दौरान मर्द, औरतें और बच्चे बर्फी, जलेबी इत्यादि का आनंद लिया करते थे और घरों के लिए अलग से बंधवा लेते थे। चूंकि मेले की तारीख पहले से तय हुआ करती थी, इसलिए बहुत से रिश्तेदार और दोस्त–सखा कुछ दिन तक अपने मेजबान के यहां ठहर कर इनका मजा लिया करते थे। पूरे इलाके में उत्सव–सा दृश्य हुआ करता था और अपराध जैसी कोई समस्या नहीं हुआ करती थी, हालांकि मेला अफसर और कुछ पुलिस वाले उपस्थित रहते थे।

इन मेलों में श्नकलिएच्य (भांड) यानी हास्य कलाकार भी आया करते थे, जिनके कार्यक्रम को श्नकलच्य कहा जाता था– यह प्रजाति अब भारतीय पंजाब में लगभग विलुप्त हो गई है, शायद पाकिस्तानी हिस्से में अभी भी है। फिर कुछ जाने–माने कलाकारों की घुमंतू टोलियां हुआ करती थीं, जिनका पेशा सूबे भर में जगह–जगह लगने वाले मेलों में अपनी प्रस्तुति देना था। अपने चुटीले अंदाज में चलताऊ हास्य का पुट भरने वाले ये कलाकार इलाके की किसी मशहूर हस्ती या निम्न स्तर के किसी सरकारी अधिकारी को निशाना बनाकर व्यंग्य किया करते थे। लेकिन इसको सामान्य विनोद की तरह लिया जाता था, उस वक्त आज की तरह चिढ़कर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज नहीं किया जाता था। उनकी प्रस्तुति का परिदृश्य ज्यादातर दो व्यक्ति के बीच चले संवाद जैसा हुआ करता था, चूंकि माइक्रोफोन नहीं थे, लिहाजा कलाकार बहुत ऊंची आवाज में धारदार मजाकिया तीर छोड़ा करते थे। काफी छोटा होने की वजह से मैं यह नौटंकी ज्यादा नहीं देख पाया, बाद में भी नहीं। हां, यू–ट्यूब पर कुछेक देखे हैं, यह निरंतर ठहाकों के लिए मजबूर करने वाले होते हैं। उम्मीद है संस्कृति विभाग वाले कुछेक पाकिस्तानी प्रस्तुतकर्ताओं को आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत ला पाएं ताकि हमें अपनी साझी सांस्कृतिक जड़ों वाली विरासत की झलकी फिर से देखने को मिले। एक अन्य उत्सव की याद आती है, जो होशियारपुर जिले में काफी प्रचलित था, वह है आम का रसास्वादन। होशियारपुर में आम की देसी प्रजाति के हजारों–हजार पेड़ हैं, यह विशिष्ट नस्ल पंजाब की मंडियों तक आज भी नहीं पहुंचती, न ही अधिकांश लोगों ने इनके बारे में सुना होगा। किसान कुछ पेड़ों को निजी उपभोग के लिए रखकर बाकी ठेकेदार को सौंप देते थे। यह ठेकेदार फसल पकने के पहले अमुराई में फसल चक्र के अंत तक झोंपड़े बनाकर रहते हैं। यही लोग आम को आसपास के बाजारों तक बेचने ले जाते थे। क्योंकि आमों का यह मौसम जाना–माना है, इसलिए रिश्तेदारों के जत्थे और मित्रमंडली इनका आनंद लेने को कम से कम एक सप्ताह के लिए आकर मेजबान के यहां ठहरा करते थे। चूंकि आम चूसने पर रस रिसता है, लिहाजा लोगबाग उसी मुताबिक कपड़े पहनते थे। पानी की बाल्टी में डूबे आम लाए जाते थे और कार्यवाही शुरू हो जाया करती थी! इस रसास्वादन के दौरान आम की गुणवत्ता को लेकर ताजा कमेंट्री चलती रहती– यह वाला ज्यादा रसीला है या मीठा है या फिर खट्टा– लेकिन इस बयानबाजी के बावजूद चूसने का सिलसिला लगातार जारी रहता था। जी अघा जाता था तो कच्ची लस्सी (पानी में मिला दूध) लाया जाता था और फिर लीटरों के हिसाब से इसे भी गटक जाते थे। कहा जाता है इससे आमरस को हजम करने में मदद मिलती है। इसके बाद दोपहर के भोजन का तो कोई सवाल ही नहीं होता। रिश्तेदारों का एक जत्था रवाना हो जाता तो दूसरा आ जाता और यह क्रम जारी रहता यानी आम के बहाने मेलमिलाप होता। यह रस्म भी समय के साथ धीरे–धीरे खत्म होती गई, केवल यादें शेष हैं। ग्रामीण खेलों के विषय को मैं जिस खुशनुमा उल्लेख के साथ खत्म करना चाहूंगा। वह है किला रायपुर, जहां आज भी बैलों की दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इनमें प्रयुक्त होने वाली गाडियां मालवाहक जैसी भारी न होकर बहुत हल्की होती हैं और सिर्फ चालक के बैठने भर की सीट होती है। बैलों की जो जोड़ी इनमें जुतती है, उससे कोई और काम नहीं लिया जाता और उनकी परवरिश और देखभाल बहुत महंगी पड़ती है। उन्हें चारे के साथ घी, मक्खन, बादाम और क्या कुछ नहीं दिया जाता! समय–समय पर उन्हें अभ्यास के लिए दौड़ाया जाता है, धीरे–धीरे चालक और बैलों के बीच तालमेल वाली टीम बन जाती है। बैल चालक की हर छुवन और हड़काहट का अर्थ समझते हैं।

14013 लोगों को लगाया गया कोरोनारोधी टीका

देवरिया। कोरोना संक्रमण भले हाशिए पर पहुंच गया है लेकिन विभाग अपनी तरफ से पूरी सावधानी बरत रहा है। जिले के 76 टीकाकरण केंद्रों पर 14013 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाया गया। जिले में कुल 14360 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। 18 वर्ष से 45 वर्ष तक के 9350 लोगों को प्रथम व 539 लोगों को द्वितीय डोज दिया गया। 45 से 60 वर्ष के लोगों में 2197 को प्रथम डोज व 730 को द्वितीय डोज दिया गया। 60 वर्ष से उपर 814 को प्रथम व 383 को द्वितीय डोज दिया गया। लोग हर रोज टीकाकरण केंद्रों का चक्कर लगा रहे हैं लेकिन टीका नहीं लग पा रहा है।

कोरोनारोधी टीका लगवाने लिए के उमड़ी भीड़, हंगामा

खुखुंदू, देवरिया। कोरोनारोधी टीका लगवाने के लिए खुखुंदू अस्पताल पर अचानक भीड़ बढ़ गई, जिसके चलते शोर शराबा शुरू हो गया। भीड़ के चलते कर्मचारियों को पुलिस बुलानी पड़ी तब हंगामा शांत हुआ। दो सौ डोज टीका आया था। जिसमें दस स्लाट बुकिग का था। 40– 45 वर्ष से अधिक उम्र वालों के लिए और डेढ़ सौ बिना स्लाट बुकिग के लिए रखा गया था। इसी बीच अस्पताल के कर्मचारी टोकन बांटना शुरू कर दिए। जिसके चलते लाइन में खड़े लोगों ने शोर शराबा के साथ हंगामा शुरू कर दिया। मामला बढ़ता देख कर्मचारी सकते में आ गए और थानाध्यक्ष को फोन कर दिया। कुछ ही देर में पुलिस पुलिस और भीड़ को नियंत्रित की।

डीआइओएस कार्यालय पर गरजे शिक्षक

महराजगंज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने समस्याओं को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआइओएस) कार्यालय के समक्ष धरना दिया। शासन–प्रशासन के विरोध में नारेबाजी की। खूब गरजे और खरी–खरी सुनाई। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित 16 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन डीआइओएस को सौंपकर आर–पार लड़ाई लड़ने का एलान किया। जिलाध्यक्ष अशोक राय ने कहा कि शिक्षक लंबे समय से मांगों को लेकर लामबंद हैं। समय–समय पर धरना प्रदर्शन करते रहते हैं, लेकिन शासन–प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंग रहा है । जिससे शिक्षकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इधर कोविड काल से शिक्षक जूझ रहें और स्कूलों को खोलकर विभाग की ओर से शिक्षा अधिनियम का उल्लंघन करते हुए विद्यालय का समय छह घंटे से बढ़ाकर साढ़े आठ घंटे कर दिया है। जिला कोषाध्यक्ष तेज बहादुर पाल ने कहा कि सरकार को हर हाल में हमारी मांगे माननी होगी। जिलामंत्री विजय प्रताप सिंह ने संचालन करते हुए कहा कि शिक्षक हक के लिए एकजुट होकर संघर्ष करें। इस अवसर पर विनीत श्रीवास्तव, श्रीराम सिंह, दीपचंद्र तिवारी, सुरेश, आदित्यनाथ शुक्ला, डा. सच्चिदानंद, जुगुलकिशोर मिश्रा, अंशज पांडेय व सूरज शुक्ला आदि मौजूद रहे। – एक अप्रैल 2005 के पश्चात शिक्षकों को पुरानी पेंशन बहाल की जाए।

तिरपाल के सहारे राजस्व अभिलेखों की सुरक्षा

महराजगंज। जिला मुख्यालय स्थित उपनिबंधक कार्यालय में राजस्व अभिलेखों की सुरक्षा भगवान भरोसे ही है। 114 वर्ष पुराने जर्जर व विभाग द्वारा निष्प्रयोज्य घोषित होने के बाद भी कार्यालय के लिए कोई इंतजाम नहीं हो सका। बरसात में जहां छत से टप–टप बारिश की बूंदे टपकती हैं, वहीं भवन का हाल यह है कि कब गिर जाए कुछ कहा नहीं जा सकता। विभागीय की नजर नहीं होने से राजस्व कर्मचारी भी मजबूरी में जान जोखिम में डालकर अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। बारिश से अभिलेखों की सुरक्षा के लिए भवन की छत पर लंबी तिरपाल का इंतजाम किया गया है। जिला मुख्यालय पर स्थापित उप निबंधन कार्यालय का निर्माण अग्रेजों में समय में 1907 में हुई है। अब इस कार्यालय की दीवार कई जगह दरक गई है। हद तो यह कि कार्यालय के छत के प्लास्टर पूरी तरह से उड़ गये हैं। विभाग से संबंधित समस्त अभिलेख न सिर्फ यहां रहते हैं, रजिस्ट्री व बैनामा का भी जारी रहता है। विभाग के वरीय पदाधिकारियों से बार बार लिखित व मौखिक निवेदन के बाद भी इसकी मरम्मत की पहल नहीं हो सकी है। छत से पानी न टपके इसके लिए विकल्प के तौर पर छत पर तिरपाल की व्यवस्था की गई है, इसके बावजूद अधिक बरसात होने पर दिवार से पानी रिसता रहता है। बारिश होते ही कार्यालय में तैनात कर्मचारियों को खुद की जितनी चिता नहीं रहती उतना वे अभिलेखों की सुरक्षा को लेकर चितित रहते हैं। भवन के लिए भूमि चिह्नित उप निबंधन कार्यालय के प्रभारी व सब रजिस्ट्रार राकेश कुमार ने बताया कि नए कार्यालय भवन के लिए भूमि चिह्नित हो चुकी है। 1.15 करोड़ रुपये का बजट भी स्वीकृत हो चुका है, लेकिन लोक निर्माण विभाग की ओर से भवन का डीपीआर अभी नहीं भेजा गया है। डीपीआर स्वीकृत होने के बाद नए कार्यालय का निर्माण शुरू हो जाएगा।

स्वरोजगार योजना की धीमी प्रगति पर डीएम ने जताई नाराजगी

महराजगंज। जिलाधिकारी डा. उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु समिति और औद्योगिक इकाइयों की कानून व सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर की। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत शिविर आयोजित कर लक्ष्य की प्राप्ति करें। एक जनपद, एक उत्पाद योजना को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि यदि इस योजना के संदर्भ में एक माह में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलती है, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाएगी। मिनी औद्योगिक आस्थान सिसवा में आवंटित भूखंडों के संदर्भ में जिलाधिकारी ने कहा कि यहां पर जो इकाइयां अकार्यरत हैं, उनका आवंटन एक माह का नोटिस देकर निरस्त किया जाए और नए होनहार उद्यमियों को भूखण्ड आवंटित किया जाए। अपर जिलाधिकारी कुंजबिहारी अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक निवेश कटियार, अपर उपजिलाधिकारी अविनाश कुमार, उपायुक्त उद्योग अभिषेक प्रियदर्शी समेत संबंधित अधिकारी और उद्यमी उपस्थित रहे।

लोगों को नहीं भूल रहा कृष्णा व अनामिका का मृदुभाषी व्यवहार

लार, देवरिया । गुरुग्राम में तिहरा हत्याकांड के बाद लार के गयागिर वार्ड में डा. परमेश्वर शुक्ल के परिवार में मातम छाया है। गुरुग्राम में किराए के मकान में रहने वाले दंपती कृष्णा तिवारी व अनामिका, बेटी सुरभि को मकान मालिक सेवानिवृत्त फौजी ने सोमवार की रात धारदार हथियार से हमलाकर मौत के घाट उतार दिया। लोगों को इस घटना पर विश्वास नहीं हो रहा। मोहल्ले के लोग डा. परमेश्वर शुक्ल की बेटी व दामाद के मिलनसार व्यवहार की चर्चा कर रहे हैं। डा. परमेश्वर लार के गयागिर वार्ड में मकान बनवाकर रहते हैं। उनकी बेटी, दामाद व पौत्री के साथ हुई वारदात के बाद यहां माहौल गमगीन है। घटना की जानकारी होते ही स्वजन गुड़गांव के लिए रवाना हो गए। लार के पिपरा व गयागिर के लोग बताते हैं कि डा. परमेश्वर शुक्ल ने बेटी अनामिका की शादी 2014 में बिहार के सिवान जिले के गांव बड़का मांझा निवासी कृष्णा तिवारी से की थी। कृष्णा व अनामिका की दो बेटियों में बड़ी बेटी सुरभि की उम्र छह वर्ष थी। जबकि छोटी बेटी विधि की उम्र तीन वर्ष है। कृष्णा काफी मिलनसार व मृदुभाषी थे। कोरोना संकट काल में वह परेशान थे। वह अपने गांव पर छह माह रहे। अनामिका भी छह माह से पिता परमेश्वर शुक्ला के घर थी। अनामिका के भाई अमित कुमार शुक्ल ने बताया कि मेरी बहन 18 अगस्त को ही यहां से अपने पति व बच्चियों के साथ गुड़गांव गईं। कृष्णा तिवारी छह माह से घर ही रहे थे। इस वजह से जनवरी से जुलाई तक सात महीने का किराया मकान मालिक को नहीं दे सके थे। मकान मालिक से किराया को लेकर कभी विवाद या तकरार नहीं हुआ। वह पिछले एक साल से उसी फौजी की मकान में रहते थे। कोरोना संक्रमण बढ़ने के बाद वह मार्च में परिवार सहित गांव चले आए थे। गांव में उनके पिताजी अस्वस्थ चल रहे हैं। अनामिका का विचार था कि रक्षा बंधन के बाद गुरुग्राम चला जाएगा, लेकिन होनी को कौन टाल सकता है। रक्षाबंधन से चार दिन पहले ही परिवार सहित गुरुग्राम चले गए।

पांच अस्पतालों में पीकू तैयार, आज होगा माकड्रिल

देवरिया । सीएमओ कार्यालय के धन्वंतरि सभागार में . बैठक हुई, जिसमें कोरोना की संभावित कोरोना से निपटने की तैयारियों को लेकर विचार–विमर्श किया गया। जिले के पांच पीकू (पीडियाट्रिक आइसीयू) में 27 अगस्त को होने वाले माकड्रिल के बारे में जानकारी दी गई। एडीएम प्रशासन कुंवर पंकज ने कहा कि संभावित कोरोना संक्रमण को बच्चों के लिए गंभीर बताया जा रहा है। सबसे ज्यादा बच्चों के प्रभावित होने की चेतावनी को देखते हुए पीकू वार्ड तैयार हो गए हैं। जिला प्रशासन कोई कमी नहीं छोड़ना चाहता है। सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने पांचों पीकू वार्ड के नोडल अधिकारियों को तैनात कर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी। कहा कि बच्चों के संक्रमित होने की स्थिति में इलाज के लिए शिशु कोविड वार्ड बनाया जा रहा है। एमसीएच विग में 30 बेड, लार में 20 बेड, रुद्रपुर में 12 बेड, पिपरादौला कदम में 12 बेड और गौरीबाजार में 12 बेड का शिशु कोविड वार्ड बनकर तैयार है। बारह बेड वाले पीकू पर दो बेड आईसीयू और दस बेड पर आक्सीजन सपोर्ट दिया गया है। सभी पीकू वार्ड पूरी तरह हाइटेक हैं और आक्सीजन से लैस हैं। एमसीएच विग में बने पीकू के लिए डा. एसएन सरस्वती, लार में बने पीकू के लिए डा. विपिन कुमार ाकारी मौजूद रहे।

मांगें जल्द पूरी न होने पर करेंगे उग्र आंदोलन

देवरिया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में ..शिक्षकों ने मांगों को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना दिया। मांगों से संबंधित पत्रक जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपा। मांगें जल्द पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई। जिलाध्यक्ष अवधेश सिंह ने कहा कि शिक्षक नेताओं के संघर्ष से शिक्षक समाज को जो उपलब्धियां मिली थीं, मौजूदा सरकार उन सारी उपलब्धियों को समाप्त कर दी है। कोरोना काल में भी शिक्षक समाज ने बढ़चढ़ कर सरकार और सामाजिक क्षेत्र में मदद किया। सरकार ने जनवरी 2020 से हमारे महंगाई भत्ते की किस्तों को रोक दी है।

एनपीएस के कारण कर्मचारी और शिक्षक समाज परेशान हैं। सम्मानजनक जीवन जीने वाला शिक्षक सेवानिवृत्त होने पर भूखमरी के कगार पर पहुंचता जा रहा है। हमारे संगठन ने पुरानी पेंशन बहाली की लड़ाई को सड़क से सदन तक लड़ा है। शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने अभी चंद दिनों पहले सदन में इस पर अपनी बात रखी है। सत्ता के मद में चूर मौजूदा सरकार गंभीरता से नहीं ले रही है। हम पुरानी पेंशन बहाली की लड़ाई लड़ते रहेंगे। ध्रुव नाथ मिश्र ने कहा कि जो मशाल स्व. ओमप्रकाश शर्मा ने जलाया था, उसे हम बुझने नहीं देंगे। शिक्षक आंदोलनों में शामिल होकर लड़ाई को धार दें। जब–जब शिक्षक समाज संघर्ष करता है। सरकारें झुकती हैं। अगर नहीं झुकी तो बदल भी जाती हैं। धरना को जिला मंत्री दिनेश कुमार त्रिपाठी, उमाशंकर पाठक, अभिषेक पांडेय, नरेंद्र सिंह, ओमप्रकाश तिवारी, अशोक कुमार शुक्ल, मुस्ताक अहमद, नीरजा सिंह, रामनिवास पांडेय, राजेश पांडेय, सर्वेश दीक्षित, कमलेश मिश्र, आलोक कुमार राय, राजेश गुप्ता, गोरख नाथ गुप्ता, उमाशंकर दास, अजय कुमार, राम प्रकाश शर्मा, विनोद कुमार शाही, मोहन सिंह, राजेश मिश्र ने संबोधित किया।

शिलापट किसने लगवाया किसी को पता नहीं

महराजगंज। नगर पंचायत सोनौली के वार्ड नंबर आठ सिद्धार्थनगर में पुलिया निर्माण स्थल पर लगे शिलापट के बावत स्थानीय अधिकारियों ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। नगर पंचायत के ईओ राजनाथ यादव को ही नहीं पता कि शिलापट किस विभाग ने लगाया है। ऐसे में कई लोग यह सवाल उठाने लगे हैं कि शिलापट अराजकतत्वों ने लगाया है। जिसमें अध्यक्ष कामना त्रिपाठी के स्थान पर उनके बेटे का नाम लिख दिया। कार्यदायी संस्था सिडको व उसके अधिकारी के पद के नाम को फर्जी रूप से लिख दिया गया। यह बोले सिडको के अधिकारीः अधिशासी अभियंता एसएस मिश्रा का कहना है कि जेई संतोष कुमार सिंह से फर्जी शिलापट की स्थलीय जांच कर रिपोर्ट मांगी गई है। सिडको द्वारा कोई भी कार्य सोनौली नगर पंचायत में नहीं कराया जा रहा है। महिला कल्याण विभाग में शिकायतः शिलापट में महिला अध्यक्ष कामना त्रिपाठी के स्थान पर उनके पुत्र शिवम का नाम लिखे जाने को सोनौली के समाज सेवी अनुराग मणि त्रिपाठी ने शासन की नारी सशक्तिकरण की मंशा का अपमान बताते हुए मुख्यमंत्री, नगरविकास राज्य मंत्री, जिलाधिकारी समेत महिला कल्याण विभाग के पास शिकायत किया है। जिसमें कहा गया है कि शिलापट पर जिस तरह से त्रुटि हुई है। उसे अराजक तत्व ही अंजाम दे सकते हैं। मामले में कार्रवाई की मांग की गई है।

1993 की रिपोर्ट निगेटिव, एक नया केस

देवरिया। आई कोरोना जांच रिपोर्ट में 1993 निगेटिव रहे। तकरीबन पन्द्रह दिन बाद एक की रिपोर्ट पाजिटिव आई है। जिले में अभी तक 219 लोगों की कोरोना से मौत हुई है। अभी तक 19993 लोग इलाज कराकर स्वस्थ हो चुके हैं। चौबीस घंटे में 3714 लोगों की कोरोना जांच की गई। कुल 838783 लोगों की जांच की जा चुकी है। कोरोना से बचने के लिए लोग स्वयं भी जागरूक हुए हैं और लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं। टीकाकरण अधिक से अधिक कराना इसे साबित करता है कि लोग कोरोना के प्रति गंभीर हैं। सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने कहा कि कई दिनों के बाद आज एक रिपोर्ट पाजिटिव आई है। कोरोना संक्रमण से बचाव की आवश्यकता है।

15 मामलों का निस्तारण, सिपाही लाइनहाजिर

महराजगंज। श्यामदेउरवा थाने में आयोजित पुलिस चौपाल में पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता ने जनता की समस्याओं को सुना। इस दौरान कुल 22 मामले आए , जिसमें 15 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। नटवा के एक मामले में चोरी का मुकदमा व एक दुर्घटना का मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही पुलिस की छह टीमें बनाकर तत्काल लंबित मामलों का भी निस्तारण कर रिपोर्ट भेजने की बात कही। पुलिस चौकी परतावल में तैनात सिपाही यादव को जनता के साथ खराब दुर्व्यवहार करने की शिकायत पर तत्काल पुलिस लाइन में क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) से संबद्ध करने का निर्देश दिया। सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के कम्हरिया खुर्द निवासी शेर मोहम्मद ने कहा कि गांव के मनबढ़ रास्ते से कार नहीं ले जाने देते हैं। इस पर एसपी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सिसवा मुंशी चौकी प्रभारी को निर्देशित किया। एसएचओ श्यामदेउरवा सुनील राय, ध्यान सिंह चौहान, महिला थाना प्रभारी रंजना ओझा, कोठीभार थानाध्यक्ष धनवीर सिंह, चौकी प्रभारी परतावल अविनाश त्रिपाठी, पेशकार शुभ नारायण दुबे, हियुवा नेता काशीनाथ सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

साइबर सेल प्रभारी ने किया लोगों को जागरूकः पुलिस चौपाल में पहुंचे जिले के साइबर सेल प्रभारी मनोज कुमार पंत ने श्यामदेउरवा थाना परिसर में लोगों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम होने के तुरंत बाद सूचना दें। समय से सूचना मिलने पर तत्काल पीड़ित का पैसा वापस करा दिया जाएगा।

तीन के खिलाफ मुकदमाः महराजगंज । घुघली थाना क्षेत्र के एक गांव की लड़की को भगाने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ घुघली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। घुघली पुलिस लड़की की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। जांच अधिकारी जखिरा चौकी प्रभारी रोहित यादव ने बताया कि संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। शीघ्र आरोपितों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना में भयंकर धांधली

अरूण शर्मा / दैनिक बुद्ध का संदेश

खजनी / गोरखपुर। खजनी तहसील के बेलघाट ब्लॉक के ग्रामसभा शिवपुर मे सचिव ने संध्या पत्नी श्याम सुंदर जो शिवपुर गांव के आवास सूची में 22 नंबर पर आवास स्वीकृत है परंतु ग्राम पंचायत अधिकारी इष्ट देव शुक्ला द्वारा सुधा पत्नी श्याम सुंदर ग्राम सभा शिवपुर आवास की पहली किस्त दे दिया गया और उनके खाते में भुगतान कर दिया गया जब इसकी जानकारी संध्या पत्नी श्याम सुंदर को हुआ तो इस संबंध में लाभार्थी ब्लॉक से लगायत जनपद के अधिकारियों के पास चक्कर लगा रही है,अंत में बाध्य होकर लाभार्थी

- **लाभार्थी ने नही दिया सेवा शुल्क तो सचिव ने किसी और को दे दिया आवास**
- **मुख्यमंत्री पोर्टल पर गलत आख्या भेजकर सचिव इष्ट देव शुक्ला कर रहे लाभार्थी को परेशान**

जनता दरबार में उपस्थित होकर प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र दिया तब जाकर अधिकारियों के सचिव को फटकार लगाई, लेकिन अभी भी ग्राम पंचायत अधिकारी इष्ट देव शुक्ला अधिकारियों को गुमराह कर रहा है उन्होंने गलत आख्या प्रस्तुत कर शासन को भेज दी हैं जबकि प्रार्थी द्वारा आवेदन पत्र में मेरे नाम का स्वीकृत आवास प्रधानमंत्री आवास योजना का अपात्र को ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत अधिकारी ने कोई कार्रवाई न करते हुए उसके संबंध में गलत रिपोर्ट भेज दिए हैं सचिव ने आंख्या में संध्या पत्नी श्याम सुंदर आवास पात्रता सूची में नाम दर्ज है यह पात्र हैं शासन से आवास का लक्ष्य बढ़ते ही इनको आवास दे दिया जाएगा जबकि यह रिपोर्ट भ्रामक और सत्य से परे और झूठा है जबकि मेरे द्वारा पात्रता सूची में नाम होते हुए भी मेरे खाते में भुगतान करने की मांग किया गया यह बहुत ही यह है बहुत ही सोचनीय विषय है माननीय मुख्यमंत्री के गृह जनपद में ग्राम पंचायत अधिकारी झूठी आख्या प्रस्तुत कर निस्तारण किया गया इस संबंध में वीडीओ पीयूष त्रिपाठी ने बताया संध्या व सुधा दोनों लाभार्थियों का नाम पात्रता सूची में है लेकिन स्वीकृति सूची में सिर्फ संध्या पत्नी श्याम सुन्दर का नाम है,संध्या को आवास न देकर सुधा को दे दिया गया है जिसमे सुधा का स्वीकृति सूची में नाम नहीं है जिसको आवास की प्रथम किस दे दिया गया है।

अवैध वसूली पर दोषियों के विरुद्ध दर्ज कराएं एफआइआर

महराजगंज। जिलाधिकारी डा. उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में व्यापार बंधु की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की गई। इस दौरान व्यापारियों की परिवहन गाड़ियों से अवैध वसूली की शिकायत पर दोषियों के विरुद्ध एफआइआर दर्ज करने का निर्देश जिलाधिकारी ने दिया। बैठक में ब्याज माफी योजना–2021, जीएसटी रिटर्न व पंजीयन से संबंधित विषयों के साथ–साथ व्यापारी बंधुओं की समस्याओं और उन पर हो रही घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने के संबंध में चर्चा की गई। ब्याज माफी योजना–2021 में अपेक्षित प्रगति न होने पर जिलाधिकारी ने योजना के प्रचार–प्रसार के लिए निर्देशित किया। परतावल व कुछ अन्य जगहों पर व्यापारियों की परिवहन गाड़ियों से अवैध वसूली की शिकायत पर जिलाधिकारी ने दोषियों पर एफआइआर दर्ज कर कार्रवाई का निर्देश दिया। घुघली के व्यापारियों ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की क्षतिग्रस्त मूर्ति के मरम्मत के लिए ज्ञापन सौंपा। जिलाधिकारी ने जल्द से जल्द मूर्ति के मरम्मत का आश्वासन दिया। व्यापारियों ने निचलौल में अवैध दवा की बरामदगी के लिए प्रशासन की कार्रवाई की प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने व्यापारियों को बताया कि संबंधित प्रकरण में जांच जारी है और जो लोग भी ऐसे कृत्य में दोषी पाए जाएंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी कुंजबिहारी अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक निवेश कटियार, अपर उपजिलाधिकारी अविनाश कुमार, डीसी व्यापार कर समेत संबंधित अधिकारी और व्यापारी उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय में हुआ जलजमाव बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला / गोरखपुर। थाना क्षेत्र के विकास खण्ड गगहा स्थित ग्राम पंचायत राजगढ़ के राजस्व गांव अहिरौली के प्राथमिक विद्यालय में भारी बारिश के कारण भारी जल जमाव हो गया है। विद्यालय के कमरों से लगायत लान और चारों तरफ पानी भरा हुआ है। जिसमें विद्यालय परिसर में काई लगी हुई है और बिषइले जीव जन्तु भी घुसे हुए हैं।जिससे शिक्षको के लिए एक एक कठिन समस्या खड़ी हो गई। इस हालात में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो गई है। बताते चलें कि उक्त गांव के प्राथमिक विद्यालय में हर वर्ष यह स्थिति देखने को मिलता है। पिछले दो वर्ष तक कार्यवाहक प्रधानाध्यापक देवेन्द्र चन्द किसी तरह लोगों का दरवाजा या सड़क कटवा कर पानी निकलवा दिया करते थे। लेकिन इस बार लोग काटने नहीं दे रहे हैं। कार्यवाहक प्रधानाध्यापक ने बताया कि स्कूल के अगल बगल लोगों ने अपना घर बना लिया है और उसको पाट कर ऊंचा कर दिए हैं। स्कूल के सामने एक गड़ही है। जो बारिश के दिनों में पानी से भरकर उफना जाती है और विद्यालय परिसर को जलमग्न कर देती है। पहले उसका गड़ही का पानी बह कर आगे निकल जाता था। लेकिन अब पट जाने से पानी निकल नहीं पा रहा है। जिसके कारण यह समस्या बनी हुई है।

ग्राम पंचायत लाहीडाड़ी में लगा कोविड–19 वैक्सीन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला / गोरखपुर। 26 अगस्त विकास खण्ड गगहा के ग्राम पंचायत लाहीडाड़ी में सी एच सी गगहा द्वारा दो सौ लोगों का वैक्सीनेशन नवोदित ग्राम प्रधान मनोज यादव की देख रेख में सम्पन हुआ। लाहीडाड़ी डाड़ी गांव के कुछ लोग अभी तक वैक्सीन से बंचित थे। ग्राम प्रधान इसके लिए सीएच सी गगहा प्रभारी से लगातार आग्रह कर रहे थे। जिसपर सज्ञान लेते हुए प्रभारी डाक्टर वर्नवाल ने एनम सविता राय की अगुवाई में टीम भेजी और यहां पर दो सौ लोगों का वैक्सीनेशन सम्पन्न हुआ।

देवेन्द्र प्रताप सिंह बने भारतीय जनता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष

नवसृजित नगर पंचायत सुकरौली के विशुनपुर उर्फ ठूठी के मूल निवासी

दैनिक बुद्ध का संदेश

हाटा/कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी में पदाधिकारियो और सदस्यो के नवगठित प्रक्रिया के क्रम में, नगर पंचायत सुकरौली के विशुनपुर उर्फ ठूठी के रहने वाले देवेन्द्र प्रताप सिंह को भारतीय जनता युवा मोर्चा कुशीनगर का जिलाध्यक्ष बनाया गया।पार्टी द्वारा जिलाध्यक्ष की घोषणा के बाद देवेन्द्र प्रताप सिंह को बधाई देने वालो का तांता लग गया।बताते चलें कि देवेन्द्र विश्व हिंदू परिषद में पूर्व मे समूह विस्तारक तथा विधानसभा सभा चुनावों में विभिन्न राज्यो में विशेष कार्यकर्ता के रूप में भी पार्टी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए योगदान देते रहे हैं। देवेन्द्र सिंह ने कहा कि भाजपा द्वारा जो भी पद मुझे दिया है मैं उस पद का सम्मान करते हुए पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुँचाऊँगा ताकि पार्टी को और मजबूती मिले।जिससे आने वाले विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चित हो।साथ ही उन्होने पार्टी के पदाधिकारियों सहित अपने शुभचिंतको का भी आभार

जताया। बधाई देने वालो में सांसद कुशीनगर विजय दूबे, हाटा विधायक पवन केडिया, नपा अध्यक्ष मोहन वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष जयप्रकाश शाही, क्षेत्रीय महामंत्री पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीभागवत चौहान, पूर्व जिला कार्यसमिति सदस्य अशोक कुमार पत्रकार, सुकरौली मण्डल अध्यक्ष ज्ञान विक्रम सिंह, हियुवा. नगर अध्यक्ष सुकरौली वकील सिंह,हियुवा. तहसील उपाध्यक्ष हाटा सुरेश गुप्ता, मण्डल महामंत्री संजीव जायसवाल, मण्डल कोषाध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता,ऋषि त्रिपाठी,पत्रकार पप्पू गुप्ता, जगदीश सिंह पत्रकार, सुबास पाण्डेय, ध्रुवचन्द जायसवाल, रमेश जायसवाल, वरुण जायसवाल, प्रिंस जायसवाल, गुड्डू प्रजापति, छोटे गुप्ता,विद्यापति यादव,सनोज विश्वकर्मा,आशुतोष पाण्डेय,शशांक त्रिपाठी ,अमन त्रिपाठी, अंकित मद्धेशिया, मुन्ना पाण्डेय,तेजप्रताप गुप्ता सहित अन्य लोगों ने बधाई दी।

लगातार हुए बारिश से जन–जीवन बेहाल

सड़क धसने के साथ ही एक गुमटी नाले में गिरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

हाटा/कुशीनगर। पिछले कई दिनों से रुक रुककर हो रही

बारिश से आम जनजीवन पूरी तरह से बेहाल हो गया है।समय से सड़कों की मरम्मत ना होने, साथ ही नालो और नहरों के किनारों पर मेड़बन्दी का उचित व्यवस्था ना होने से जान माल का खतरा भी लगातार बढ़ सकता है। ऐसा ही एक मामला सुकरौली विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्रामसभा मोहनपुर चौराहे के किनारे से बहने वाले नाले का हैं।लगातार हो रही बारिश से नाले के किनारे की सड़क टूट गई है जिससे सड़क का कटान लगातार हो रहा है।कटान के कारण हो रही बारिश में लालबचन चौधरी(65वर्ष) जो एक गुमटी रखकर अपनी जीविका चलाते हैं, गुमटी नाले में गिर गई जिससे गुमटी में रखा सामान नाले में बह गया।ग्राम प्रधान उदयभान सिंह ने बताया कि लगातार कटान और सड़क मरम्मत कार्य समय पर नही हुआ तो किसी दिन बड़ी घटना घट सकती हैं।सुबह ग्राम प्रधान उदयभान सिंह, सनी सिंह, सोनू चौधरी, प्रदीप शर्मा सहित अन्य लोगों की सहायता से गुमटी को नाले से बाहर निकालने का प्रयास किया किन्तु सफलता नही मिली।समाचार लिखे जाने तक गुमटी नाले के एक किनारे पर थी। विकास खण्ड सुकरौली क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत अवरवां के टोला सिहुलिया निवासी बीके शर्मा व जेपी शर्मा की खपरैल की महान लगातार मूसलाधार बारिश होने से पूरी तरह ध्वस्त हो गया।

निर्माणाधीन अंडर ब्रिज में नहाने गए युवक की डूबकर मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवां। पुरानी नौतनवा रेलवे ढाला के पास बन रहे अंडर

ब्रिज में भरे बारिश की पानी में नहाने गए युवक की डूबकर मौत हो गई। बताते चलें कि निर्माणाधीन रेलवे पुल का हिस्सा अभी तक नहीं बना है जिससे चारों ओर से बरसात का पानी भरा हुआ है । प्राप्त जानकारी के मुताबिक डूबने वाले युवक का नाम प्रमोद शर्मा बताया जा रहा है, जो की पुरानी नौतनवा राहुल नगर का निवासी है और उसका बॉडी अभी तक नहीं मिला है , डेड बॉडी की खोज जारी है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने किया ऑनलाइन सेमिनार का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में भारतीय

प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड व एम सी एक्स इण्डिया लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में रिजिनल सेमिनार आन कमोडिटी डेरिवेटिव का आन लाइन आयोजन बुधवार की देर सायं तक किया गया। इस दौरान आयोजक सचिव ओबरा पीजी कालेज वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विकास कुमार ने बताया कि कुल 363 प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया था जिसमे से 246 छात्र–छात्रा,30 रिसर्च स्कालर व 87 फैकल्टी देश के विभिन्न राज्यो छत्तीसगढ़,बिहार,दिल्ली, मध्यप्रदेश,केरला,हैदराबाद व उत्तर प्रदेश से थी। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ सुनील मिश्रा एम सी एक्स कानपुर ने किया एवं ओबरा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रमोद कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया तथा डॉ विकास कुमार को इस बृहद आयोजन की बधाई दी। प्रथम वक्ता के रुप में नानु कौर, ए.जी.एम,सेवी ने सेवी के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि उधार के पैसों को पूजी बाजार में निवेश न करें तथा सावधानी पूर्वक विनियोग करें साथ ही उन्होंने स्कोरस के भी बारे में जागरूक किया। द्वितीय वक्ता के रुप में संजय गाखर, रिजनल हेड,नार्थ, एम सी एक्स ने कमोडिटी मार्केट में गोल्ड में विनियोग तथा कमोडिटी प्राइस के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में आयोजक सचिव डॉ विकास कुमार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापक गण व कर्मचारी गण उपस्थित रहें।

महिला समानता दिवस पर महिला महाविद्यालय में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

गोरखपुर । मिशन शक्ति के अंतर्गत, महिला समानता दिवस के अवसर पर गंगोत्री देवी महिला महाविद्यालय में भाषण और निबंधा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निबंध प्रतियोगिता में निकिता , नेहा, स्मिता, नेक्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में पल्लवी ,जया और रेखा ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका में श्रीमती रीना त्रिपाठी , कॉलेज के प्राचार्य डॉ पूनम शुक्ला व डॉ प्रियंका त्रिपाठी ने किया तथा छात्राओं के उज्जवल भविष्य की शुभकामना भी दिया।महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ पूनम शुक्ला ने कहा कि महिलाएं आज हर मोर्चे पर पुरुषों को टक्कर दे रही हैं. चाहे वह देश को चलाने की बात हो या फिर घर को संभालने का मामला, यहां तक कि देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी वे बखूबी निभा रही हैं। महिलाओं ने हर जिम्मेदारी को पूरी तन्मयता से निभाया है। डॉ शुक्ला ने कहा कि महिलाओं के समानता में बदलाव तो अब काफी दिख रहा है। पहले जहां महिलाएं घरों से नहीं निकलती थीं वहीं अब वे अपने हक की बात कर रही हैं। उन्हें अपने अधिकार पता हैं और इसके लिए वे लड़ाई भी लड़ रही हैं।उन्होंने कहा कि कॉलेजों में लड़कियों की संख्या देखकर लगता है कि अब उन्हें अधिकार मिल रहे हैं। लेकिन एक प्राचार्या

के तौर पर जब मैंने लड़कियों में खासकर छोटे शहर की लड़कियों में सिर्फ शादी के लिए ही पढ़ाई करने की प्रवृत्ति देखी तो यह मेरे लिए काफी चौंकाने वाला रहा। आज भी समाज की मानसिकता पूरी तरह नही बदली नहीं है। काफी हद तक इसके लिए लड़कियां भी जिम्मेदार हैं।भारत ने महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार पुरुषों के बराबर दिया, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति गौर करने के लायक है। यहाँ वे सभी महिलाएं नजर आती हैं, जो सभी प्रकार के भेदभाव के बावजूद प्रत्येक क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर चुकी हैं और सभी उन पर गर्व भी महसूस करते हैं। परन्तु इस कतार में उन सभी महिलाओं को भी शामिल करने की जरूरत है, जो हर दिन अपने घर में और समाज में महिला होने के कारण असमानता को झेलने के लिए विवश है।

मुख्यमंत्री माटीकला ग्रामोद्योग रोजगार योजना का ले लाभ

रायबरेली । प्रजापति समाज (कुम्हारों) की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार द्वारा राजस्व विभाग से मिट्टी निकालने हेतु प्राप्त पट्टा धारकोंध्परम्परागत कारीगरों (कुम्हारों) को आसान किस्तों मे बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। प्लास्टिक और थर्माकोल से बने पात्रो मे खाद्य वस्तुओं का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, तथा पर्यावरण के लिए भी नुकसानदायक है। जिसके लिए उ0प्र0 सरकार भी प्लास्टिक का चलन रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके स्थान पर मिट्टी के बर्तनों को बढावा देने से प्रदूषण मे कमी के साथ ही कुम्हारी कला से जुड़े परिवारों की आर्थिक स्थिति मे सुधार होगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ए0के0 गौतम ने यह जानकारी देते हुए बताया है कि खादी ग्रामोद्योग विभाग से माटी कला बोर्ड की ओर से शुरू की गयी ।

कोरोना जागरूकता हेतु मास्क, सेनेटाइजर का अधिकारियों को किया गया वितरण

रायबरेली । कोरोना संक्रमण की सम्भावित तीसरी लहर से बचाव व जागरूकता हेतु जनपद की स्वयं सेवी संस्था जन सूचना एवं मानवाधिकार मिशन द्वारा जनपद के अधिकारियोंध्कर्मचारियों को मास्क, सेनेटाइजर देकर अनुरोध किया जा रहा है कि कोरोना संक्रमण अभी खत्म नहीं हुआ है। बल्कि जागरूकता व बचाव से ही संक्रमण को रोका जा सकता है। जन सूचना एवं मानवाधिकार मिशन के मोहन श्रीवास्तव, आशीष शर्मा, सुशील कुमार व ज्ञान प्रकाश तिवारी द्वारा मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) सुनीता सिंह, उप निदेशक सूचना प्रमोद कुमार, खादी ग्रामोद्योग अधिकारी ए0के0 गौतम, जन सामान्य रचना, स्नेहलता, आशा देवी आदि को भी मास्क, सेनेटाइजर उपलब्ध कराया गया। उप निदेशक सूचना प्रमोद कुमार द्वारा जन सूचना मानवाधिकार मिशन से जुड़े पदाधिकारियों को उत्तर प्रदेश सरकार का मुफ्त टीका लगवाये कोरोना को हराए जागरूकता पोस्टर देते हुए कहा कि इसकों जन–जन में पहुचाकर अपने स्तर से भी जागरूकता करें। कोरोना संक्रमण से बचाव के प्रति प्रदेश सरकार, जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 वीरेन्द्र सिंह, जिला सूचना कार्यालय आदि द्वारा भी निरन्तर जागरूक किया जा रहा है मुफ्त टीकाकरण जनपद में टीकाकरण कराया जा रहा है। संस्था अधिक से अधिक लोगों को कोरोना टीकाकरण कराये।

निम्नलिखित गाड़ियों का निरस्तीकरण, शार्ट टर्मिनेशन/ ओरिजिनेशन एवं मार्ग परिवर्तन किया जायेगा

गोरखपुर,। रेलवे प्रशासन द्वारा लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण लखनऊ मंडल के गोरखपुर–आनन्दनगर रेल खंड पर स्थित मानीराम–पीपीगंज स्टेशनों के मध्य रेल पथ के किनारे पानी अधिक जमा हो जाने के कारण निम्नलिखित गाड़ियों का निरस्तीकरण, शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन एवं मार्ग परिवर्तन किया जायेगा। निरस्तीकरण– 26 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05033/05034 गोरखपुर –बढ़नी–गोरखपुर डेमू विशेष गाड़ी निरस्त रही। मैलानी से 26 एवं 27 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05009 गोरखपुर–मैलानी विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। गोरखपुर से 26 एवं 27 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05010 मैलानी–गोरखपुर विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन– मैलानी से 25 अगस्त,2021 को प्रस्थान करने वाली 05010 मैलानी–गोरखपुर विशेष गाड़ी आनन्दनगर स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट की गयी। यह गाड़ी आनन्दनगर से गोरखपुर के मध्य निरस्त रही । नौतनवा से 26 अगस्त,2021 को प्रस्थान करने वाली 05378 नौतनवा–गोरखपुर विशेष गाड़ी पीपीगंज स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट की गयी । यह गाड़ी पीपीगंज से गोरखपुर के मध्य निरस्त रही । छपरा से 26 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05105 छपरा–नौतनवा विशेष गाड़ी गोरखपुर स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट हुई। यह गोरखपुर–नौतनवा के मध्य निरस्त रही। नौतनवा से 26 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05106 नौतनवा–छपरा विशेष गाड़ी नौतनवा के स्थान पर गोरखपुर स्टेशन से चलायी गयी। यह गाड़ी नौतनवा–गोरखपुर के मध्य निरस्त रही। गोण्डा से 26 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05376 गोण्डा–गोरखपुर डेमू विशेष गाड़ी आनन्दनगर स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट की गयी। यह गाड़ी आनन्दनगर से गोरखपुर के मध्य निरस्त रही। ऐशबाग से 26 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05070 ऐशबाग–गोरखपुर विशेष गाड़ी बढ़नी स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट की गयी। यह गाड़ी बढ़नी से गोरखपुर के मध्य निरस्त रही। 26 अगस्त, 2021 को 02572 आनन्द विहार टर्मिनस–गोरखपुर हमसफर विशेष गाड़ी आनन्दनगर स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट की गयी। यह गाड़ी आनन्दनगर से गोरखपुर के मध्य निरस्त रही। गोरखपुर से 27 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 02571 गोरखपुर–आनन्द विहार टर्मिनस हमसफर विशेष गाड़ी गोरखपुर के स्थान पर आनन्दनगर स्टेशन से चलायी जायेगी। यह गाड़ी गोरखपुर–आनन्दनगर के मध्य निरस्त रहेगी। छपरा से 27 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05105 छपरा–नौतनवा विशेष गाड़ी गोरखपुर स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होगी। यह गाड़ी गोरखपुर–नौतनवा के मध्य निरस्त रहेगी। नौतनवा से 27 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05106 नौतनवा–छपरा विशेष गाड़ी गोरखपुर स्टेशन से चलायी जायेगी। यह नौतनवा–गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी। नौतनवा से 27 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 08202 नौतनवा–दुर्ग विशेष गाड़ी गोरखपुर स्टेशन से चलायी जायेगी। यह गाड़ी गोरखपुर–नौतनवा के मध्य निरस्त रहेगी। गोरखपुर से 27 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05065 गोरखपुर –पनवेल विशेष गाड़ी आनन्दनगर स्टेशन से चलायी जायेगी। यह गाड़ी गोरखपुर–आनन्दनगर के मध्य निरस्त रहेगी। गोरखपुर से 27 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05069 गोरखपुर–ऐशबाग विशेष गाड़ी बढ़नी स्टेशन से चलायी जायेगी। यह गाड़ी बढ़नी–गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी। मार्ग परिवर्तन– गोरखपुर से 26 अगस्त, 2021 को प्रस्थान करने वाली 05065 गोरखपुर– पनवेल विशेष गाड़ी अपने निर्धारित मार्ग गोरखपुर – आनन्दनगर–बढ़नी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गोरखपुर– बस्ती–गोण्डा के रास्ते चलायी गयी।

रेल प्रशासन रेलकर्मियों की सभी समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्धः पूरे महाप्रबन्धक विनय कुमार त्रिपाठ

गोरखपुर 26 अगस्त, 2021 : पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक श्री विनय कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में रेल प्रशासन की एन. ई.रेलवे मजूदर यूनियन (नरमू) के साथ स्थाई वार्ता तंत्र (पीएनएम) की दो दिवसीय 10वीं बैठक 26 अगस्त,2021 को महाप्रबन्धक बैठक कक्ष में प्रारम्भ हुई। बैठक में अपर महाप्रबन्धक श्री अमित कुमार अग्रवाल, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती रीता पी. हेमराजानी, प्रधान विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी तथा नरमू के अध्यक्ष श्री बसन्त चतुर्वेदी, महामंत्री श्री के.एल. गुप्ता सहित मुख्यालय एवं मंडलों के यूनियन पदाधिकारी उपस्थित थे । स्थाई वार्ता तंत्र (पीएनएम) की बैठक को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक श्री त्रिपाठी ने कहा कि रेल प्रशासन रेलकर्मियों की सभी समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। पिछला लगभग डेढ़ साल कोरोना के कारण बहुत ही संकट का समय रहा, लेकिन इस दौरान रेलकर्मियों ने समर्पण की भावना के साथ चुनौतियों का सामना किया एवं अपनी कर्मठता का परिचय दिया । उन्होंने कहा कि कोरोना की सम्भावित तीसरी लहर का सामना करने के लिये पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन हर प्रकार से मुस्तैद है। मुख्यालय एवं मंडलों में उच्च क्षमता के ऑक्सीजन प्लान्ट की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यालय गोरखपुर एवं वाराणसी मण्डल के चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लान्ट लगाया जा चुका है तथा लखनऊ में यह कार्य सितम्बर,2021 के पहले सप्ताह तक पूरा कर लिया जायेगा । इसी क्रम में इज्जतनगर एवं लखनऊ मण्डल

में ऑक्सीजन प्लान्ट लगाये जाने की प्रक्रिया चल रही है। कोविड मरीजों के बेहतर इलाज के लिये आवश्यक उपकरणों की खरीददारी तेजी से की गई है तथा चिकित्सा सुविधाओं में आवश्यक सुधार करने के साथ ही बच्चों के इलाज के लिये गोरखपुर में पैडियाट्रिक वार्ड स्थापित किया गया है। कोविड संक्रमण के कारण मृतक कर्मचारियों के परिवारजनों को रूपया दो लाख प्रत्येक की दर से सहायता राशि दी जा रही है। श्री त्रिपाठी ने कहा कि हमारी सोच ऐसी होनी चाहिये कि कर्मचारियों को देय सुविधायें उनके मांगे बिना उपलब्ध करा दी जाय । पूर्वोत्तर रेलवे की कार्य संस्कृति में निरन्तर सुधार हो रहा है तथा कर्मचारी हित में यथा सम्भव सारे कदम उठाये जा रहे हैं। महाप्रबन्धक श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने कहा कि रेलकर्मी रेल संचलन में अपना सर्वोत्तम योगदान दें, जिससे रेल संचलन सुरक्षित और संरक्षित हो सकें तथा हम आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर हो सकें। उन्होंने आय में वृद्धि तथा खर्च में मितव्ययिता किये जाने का सुझाव देते हुये कहा कि इस दिशा में हमें सदैव सजग रहना होगा । रेलकर्मी अपनी कार्यदक्षता को और बेहतर बनाते हुये उपकरणों एवं संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे में अधिकांश कर्मचारी अनुभवी एवं अपने कार्य में दक्ष है तथा उनके योगदान के परिणामस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है । महाप्रबन्धक ने कहा कि पिछले छः माह में लगभग 6000 कर्मचारियों को पदोन्नति एवं एम.ए.सी.पी. का लाभ मिला है। चयन प्रक्रिया समय से एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हो रही है तथा तीन महीने के अन्दर अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमें आपरेटिंग रेशियों में सुधार हेतु जी–जान से जुट जाना होगा । श्री त्रिपाठी ने कहा कि रेल प्रशासन कर्मचारियों की किसी भी समस्या के समाधान के लिये सदैव तत्पर है तथा रेल कर्मचारियों का यह दायित्व है कि वे उत्पादकता बढ़ाने में अपना पूर्ण सहयोग दें। बैठक के प्रारम्भ में कोरोना के कारण मृत कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में दो मिनट का मौन रखा गया । इसके पूर्व, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती रीता पी.हेमराजानी ने पी.एन.एम. की बैठकों की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुये कहा कि यह प्रशासन एवं कर्मचारी यूनियन के बीच आपसी विचार–विमर्श से कर्मचारी परिवादों का निपटारा एवं रेल संचलन में उनके योगदान को सुनिश्चित करने का प्रभावी माध्यम है। नरमू के अध्यक्ष श्री बसन्त चतुर्वेदी ने कहा कि रेलकर्मी पूरी कर्मठता से अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं तथा भारतीय रेल बहुत ही अनुशासित संगठन है। उन्होंने ई–पास, नई ए.बी.सी.(पदोन्नति सोपान) एवं चिकित्सा सुविधा से सम्बन्धित अनेक बिन्दुओं पर महाप्रबन्धक का ध्यान आकृष्ट किया । महामंत्री श्री के.एल. गुप्ता ने आशा व्यक्त की कि पूर्वोत्तर रेलवे पर सभी रेल खण्डों का विद्युतीकरण का लक्ष्य रेलकर्मियों के सहयोग से यथाशीघ्र पूरा हो जायेगा । उन्होंने रेलवे कालोनियों के रख–रखाव सहित कर्मचारी हित से सम्बन्धित अनेक विषयों से विभागाध्यक्षों को अवगत कराते हुये उनके शीघ्र निस्तारण की अपेक्षा की ।

कस्बा रामकोट बना जानलेवा, जिम्मेदार मौन

यहां आपके जान की बाजी लगा रहे विभागीय अधिकारी

रामकोट–सीतापुर। सीतापुर से हरदोई जाने वाली मुख्य सडक पर रामकोट कस्बे के मुख्य चौराहे पर भीषण गहरा गड्ढा होने के कारण सडक तालाब बनी हुई है। यहां के चौराहे पर इतना बडा गड्ढा हो गया है जहां हर समय बडे हादशे का खतरा बना हुआ है। रामकोट चौराहे पर बना यह गहरा गड्ढा स्थानीय लोगों के लिए भी मुसीबत बनता जा रहा है। स्थानीय दुकानदार और वाहन चालक हर समय खतरे का सामना करते रहते है। सडक पर बना गहरा गड्ढा वाहन चालकों के लिए भी मुसीबत बना हुआ है। चौराहे पर बने गहरे गड्ढे में गिरकर दिन भर में दर्जनों वाहन चालक हादशे का शिकार बन रहे हैं लेकिन इस गहरे गड्ढे को भरने के लिए लोक निर्माण विभाग भी लापरवाह बना हुआ है। प्रदेश में गड्ढामुक्त सड़कों की बानगी देखनी है तो सीतापुर से हरदोई राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर आइए। यहां के रामकोट चौराहे पर भीषण गहरे गड्ढों में सड़क तलाशनी पड़ रही है। इस सड़क पर गड्ढे भरने का काम तो हुआ और ईंट डालकर काम चला दिया गया और पानी भरने से फिर सडक खस्ताहाल हो गयी और कागजों में गड्ढे भर दिए गये।

इससे राष्ट्रीय राज्य मार्ग का रामकोट चौराहा अब तक गड्ढा मुक्त नहीं हो पाया है। क्षेत्रवासियों ने विभागीय अधिकारियों के साथ सड़क मरम्मत कराने की गुहार अनवरत कर रहे हैं लेकिन सडक पर बना गहरा गड्ढा न तो लोक निर्माण विभाग सही कर रहा है और न ही प्रशासन संज्ञान ले रहा है। यूपी के मुख्यमंत्री ने गड्ढा मुक्त कराने के निर्देश भी दिये थे लेकिन काफी समय बीत चुका है फिर भी सडक पर बना गड्ढा वैसा ही बना हुआ है और सडक की हालत जैसी की तैसी बनी हुई है। लापरवाह विभागीय अधिकारियों ने इस ओर ध्यान देना मुनासिब नहीं समझा।

हालात यह है कि पूरी सड़क की गिट्टी उखड़ी पड़ी है। इस मार्ग पर आने वाले अधिक से अधिक गांवों के ग्रामीणों का भी आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो वहीं आवागमन करने वालों का समय बर्बाद तो हो ही रहा है साथ ही गिर कर घायल हो रहे हैं और लगातार सडक दुर्घटनाएं बढती जा रही है। सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के अभियान के तहत जिन गड्ढों को ठेकेदारों ने पाटा था उनमें केवल ईंट की रोड़ियां भर दी गईं, जिससे एक बारिश के बाद ही गड्ढे और गहरे हो गए। गड्ढे भरने में इतना घटिया मैटेरियल लगाया गया कि एक माह भी नहीं चल सका और सड़क टूटती चली गई। आलम यह है कि अब रामकोट चौराहे पर राहगीरों को गुजरना मुश्किल हो रहा है। यहां से अधिकारी भी निकलते हैं और राजनेता भी लेकिन इस सड़क को देखकर लोग अनदेखी कर जाते हैं। यहां ठेकेदार, नेता और अधिकारियों के गठजोड़ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सड़कों को गड्ढामुक्त करने के फरमान की धज्जियां उड़ाकर रख दीं हैं। इसका खामियाजा क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है। शहर को जोड़ने वाले इस मुख्य मार्ग से प्रतिदिन जिला मुख्यालय से तहसील मुख्यालय को जिम्मेदार अधिकारी गुजरते हैं लेकिन न तो किसी अधिकारी की नजर पड़ती है और न ही किसी जनप्रतिनिधि की जबकि लोग जान जोखिम उठाकर सफर करने को मजबूर हैं।

भारत परिषद के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को संबोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा

सीतापुर। भारत परिषद के जिला महासचिव आकाश राय के नेतृत्व में संघठन के पदाधिकारियों द्वारा बुद्धवार को तीन सूत्रीय जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट शिशिर कुमार को सौंपा गया। ज्ञापन में जन समस्याओं को रखते हुए उसके समाधान की मांग की गयी। ज्ञापन के माध्यम से जिला महासचिव आकाश राय बताया कि काशीराम कॉलोनी और डालडा मिल के मध्य बसा मोहल्ला देवांश नगर विकास से कोसो दूर है। इस मोहल्ले की कोई सुध नहीं ले रहा है। मोहल्ले में सफाई.पानी निकास की समुचित व्यवस्था न होने से मोहल्ले में कई जगहों पर घरों के सामने कच्ची सड़क पर बारिश का पानी भरने के साथ ही गलियों के किनारे गंदगी के ढेर लगे रहते हैं। बरसात के दिनों में तो लोग कच्चे रास्ते में गिर कर चोटिल भी हो जाते है। मोहल्ले की सफाई कर्मियों द्वारा साफ सफाई भी नहीं की जाती है। मोहल्ले में रात के समय सड़कों की रौशनी के लिए किसी प्रकार की स्ट्रीट लाइट भी नहीं है। ज्ञापन के दूसरे बिंदु में बताया गया कि ईदगाह खड़न्जा रोड गुप्ता कॉलोनी तरीनपुर में विगत तीस वर्षो से मोहल्ले के प्लाट में खुले में कूड़ा डाला जाता है। मोहल्ले में लगभग आठ सौ से भी अधिक लोग निवास करते है। मोहल्ले में नियमित सफाई व्यवस्था न होने और मोहल्ले में कूड़ेदान न लगे होने से गंदगी पसरी रहती है। मोहल्ले की सड़क पक्का कर दिया गया है। पर इस गली में थोड़ा अंदर जाने पर खाली पड़े प्लाट में कूड़ा जगह जगह बिथरा पड़ा हुआ है। जिससे उठने वाली बदबू से लोग बेहाल हैं। मोहल्ले के खाली पड़े प्लाट में बिथरे कूड़े की साफ सफाई के साथ कूड़ा डालने के लिए कूड़ेदान की व्यवस्था की जाये। ज्ञापन के अंतिम बिंदु में जिला अध्यक्ष डॉ वीरेन्द्र कुमार आर्या ने बताया कि शहर में आवारा घूम रहे जानवरों के कारण लोग काफी परेशान है। गौरतलब है कि शहर से गलियों व सड़कों पर विचरते आवारा मवेशियों एवं स्ट्रे डॉग्स आए दिन उग्र हो कर उत्पात मचाने के साथ साथ लोगों पर हमला कर रहे है। जिसकी वजह से लोग आतंक के माहौल में रहने को विवश हो रहे है। बाजारों में घूम रहे सांड व गाय कभी कभी उग्र होकर लोगों पर हमला व खड़ी बाइक एवं स्कूटर को अपनी सींगों से गिराकर क्षतिग्रस्त कर देते है। आवारा मवेशियों एवं स्ट्रे डॉग्स द्वारा अंजाम दी जा रही ऐसी घटनाओं से शहरवासी परेशान हो जाते है। उक्त मामले को संज्ञान में लेते हुए अतिरिक्त मजिस्ट्रेट शिशिर कुमार ने आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया। ज्ञापन में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष डॉ वीरेन्द्र आर्य, जिला महासचिव आकाश राय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ याकूब खान, उपाध्यक्ष राम कुमार कटियार, अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ सचिन त्रिपाठी, अध्यक्ष छायाकार प्रकोष्ठ अजीत सक्सेना, शिक्षा प्रकोष्ठ अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव, वार्ड अध्यक्ष शिखा शर्मा, जिला अध्यक्ष महिला अनुपमा द्विवेदी, नगर अध्यक्ष सरिता शर्मा, मंडल अध्यक्ष रत्नेश द्विवेदी मौजूद रहे।

2022 में फिर प्रदेश में भाजपा बनाएगी पूर्ण बहुमत की सरकार

जन आशीर्वाद यात्रा में बोले केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर

सिधौली (सीतापुर)। केंद्र एवं राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में जन जन के दिलों में अपनी पैठ बनाई है। सरकार द्वारा दी गयी प्रधानमंत्री आवास व उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस व किसान सम्मान निधि से गरीब किसान से लेकर मजदूर तक के परिवार को आवास उपलब्ध कराए गए हैं और उनके बच्चे भी भविष्य के सुखद सपने देख सकते हैं। यह बात केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर की जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान आयोजित जनसभा में कही। इस मौके उन्होंने समाजवादी पार्टी पर भी जमकर हमला बोला। जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ सुबह टोल प्लाजा से प्रारंभ हेकर अटरिया, नीलगांव के साथ ग्राम कुवरगड्डी, बेहमा, दुघरा चौराहा, सरैया शंकर बक्स, मंझिया, रामपुरकला, गोलइया चौराहा होते हुए मास्टरबाग, कसमण्डा, कमलापुर पहुंची। जिसके बाद सुजौलिया, छेदनी कुंआ, बसइडीह, कुचलई, गौपालपुर, भठठा, धरौली, गोंदलामउ, गौरइा चौराहा, कुर्सी, पटाइया, मनवा, महमूदाबाद चौराहा होते हुए पदमा लॉन सिधौली में समाप्त हुई। उक्त यात्रा के दौरान जगह.जगह कार्यकर्ताओं व लोगों द्वारा मंत्री कौशल किशोर का पुष्प वर्षा, फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया। मोहलनलाल गंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद केंद्रीय राज्यमंत्री बनने के बाद पहली बार आये थे। सिधौली से पूर्व केंन्द्रीय मंत्री ने कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कहा कि अब प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जो पात्र लोग छूट गए है।

उनको जल्द ही आवास सरकार उपलब्ध करायेगी। पिछली सरकारों में 4 से 5 घण्टे बिजली मिलती थी। भाजपा सरकार बनते ही 18 घण्टे बिजली जनता को मिल रही है और 2022 में फिर प्रदेश में भाजपा सरकार बनते ही 24 घण्टे बिजली जनता को मुहैया होगी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिलने से जो पात्र लोग छूट गए है। उनको जल्द ही योजनाओं का लाभ मुहैय्या कराया जाएगा। 2022 में फिर भाजपा की सरकार पूर्ण बहुमत से बनेगी और सपा सहित सभी दल अपनी जमानत भी नहीं बचा पाएंगे। इस अवसर पर प्रभात किशोर जैकी, पूर्व एमएलसी राकेश सिंह, बच्चे बाजपेयी, लक्ष्मी शंकर गिरि, राकेश पांडेय, सुधीर सिंह, गंगाराम राजपूत, सूर्यभान सिंह, अनूप श्रीवास्तव, मनोज त्रिवेदी, अमित मोहन, हिमांशू जैन, पुष्कर गुप्ता, अम्बरीष गुप्ता, कौशलेश भारती, सूर्यबक्श सिंह, उत्कर्ष सिंह, दीपक शुक्ला, सुशील पांडेय, नीरज सिंह, जयपाल शर्मा, दिलीप निगम, ज्ञानू पाल सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

असंगठित श्रमिकों के बनेंगे यूनिक आईडी कार्ड, सीएसस केन्द्रो के माध्यम से होगा निःशुल्क पंजीकरणःअचला पाण्डेय

हरदोई। सहायक श्रमायुक्त अचला पाण्डेय ने बताया है कि सीएससी केन्द्रों के माध्यम से अब देशभर के सभी असंगठित श्रमिकों के यूनिक आईडी कार्ड ई–श्रम पोर्टल से बनाए जायेंगे। मंत्रालय के अनुसार देशभर में 43.07 करोड़ असंगठित श्रमिक विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे है। अब इनके कार्य की प्रकृति के अनुसार वर्ग विभाजन कर खाका तैयार किया जा रहा है, ताकि इनके उत्थान के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित किया जा सके। जनपद में हजारों असंगठित श्रमिक है, जिनकों पंजीकृत सीएससी केन्द्रों के माध्यम से किया जायेगा तथा यह पंजीकरण निःशुल्क होगा। इसके लिए आवेदक 16 से 59 वर्ष के मध्य का होना चाहिए तथा आवेदक का ईपीएफ और ईएसआई खाता नही होना चाहिए और न आयकर दाता हों। उन्होने बताया है कि पंजीकरण के लिए छोटे किसान, कृषि क्षेत्र में लगे मजदूर, पशुपालक, मछली विक्रेता, मोची, ईट–भट्ठों पर काम करने वाले, घरों में काम करने वाले, रेहड़ी–फड़ी वाले, न्यूज पेपर, वेंडर, प्लम्बर, रिक्शा व ऑटो रिक्शा संचालक, मनरेगा वर्कर, दूध विक्रेता, स्थानान्तरित लेबर, नाई, आशा वर्कर, चाय विक्रेता व ऐसे मजदूर जो कि किसी संगठन के साथ नही जुडेद्य है पात्र आवेदक की श्रेणी में आयेंगे। पंजीकरण के लिए आवेदक के पास आधार कार्ड, बैंक खाता और मोबाईल नम्बर होना अनिवार्य है। यूनिक आईडी कार्ड बनने के उपरान्त प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं तथा आपदा के समय असंगठित श्रमिकों तक आसानी से मदद पहुँचाई जा सकेगी।

पांच बाइक सहित तीन शातिर चोर गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना उत्तर पुलिस ने तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच मोटर साईकिल व तमंचा, कारतूस बरामद किये है। थाना उत्तर प्रभारी अनूप कुमार भारतीय पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गस्त पर थे तभी उन्होंने सूचना पर अभियुक्तगण फिरोज उर्फ फिरदोस पुत्र राजू खाँ निवासी हसमत नगर शिवम पुत्र श्रीपाल निवासी मौहल्ला जैन नगर थाना उत्तर व सोनू उर्फ सानू पुत्र उस्मान अली निवासी बारह बीघा को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पांच मोटर साईकिल, दो तमंचा व कारतूस बरामद हुये है। पुलिस ने इन्हें जेल भेजा है।

भारी मात्रा में चरस सहित कुख्यात शातिर हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना रामगढ पुलिस ने महिला के घर में घुसकर अभद्रता करने व महिला को बुलाकर उसके साथ छेड़खानी एवं अवैध सम्बन्ध बनाने हेतु दबाव बनाने वाले कुख्यात शातिर हिस्ट्रीशीटर को भारी मात्रा में चरस सहित गिरफ्तार किया है। थाना रामगढ़ प्रभारी हरवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि 23 अगस्त को एक महिला ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि किसी अज्ञात अभियुक्त द्वारा घर मे घुसकर मोबाइल फोन व 4000. रुपये चोरी कर लिये है तथा उसी मोबाइल फोन से मेरे दूसरे फोन पर फोन करके बुलाया और छेड़खानी की तथा बार. बार फोन करके अपने पास बुला रहा है व अवैध सम्बन्ध बनाने हेतु दबाव बना रहा है ना बनाने पर परिवार वालो को जान से मारने की धमकी दे रहा है। उन्होंने बताया कि सूचना पर तत्काल संज्ञान लेते हुये मुकदमा दर्ज किया गया और सर्विलांस टीम की मदद से अभियुक्त दिलफूल उर्फ दिलफूला पुत्र चुन्ने खाँ निवासी न0 कोठी थाना रामगढ को बीपीएल ग्राउण्ड ट्रान्सफार्म के पास से गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से पीड़िता का मोबाइल व एक किलो, सौ ग्राम चरस बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार बरामद चरस की अन्तराष्ट्रीय बाजार मे कीमत करीब 50 लाख रुपये है। गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी है।मंगलामुखियों की मनमानी पर रोक लगाने को नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापनद्य

बीपी मंडल की 103वीं जयंती पर एक गोष्ठी का आयोजन

सीतापुर। ..समय 11 बजे जिला मुख्यालय के टाउन हाल समाजवादी पार्टी कार्यालय में प्रदेश की पिछड़ी जातियों को समाज की मुख्य धारा में लाने वाले सामाजिक न्याय के पैरोकार मण्डल कमीशन आयोग के अध्यक्ष, संसद सदस्य, बिहार के मुख्यमंत्री जैसे पदों पर विराजमान रहे श्रद्धेय स्व बिंदेश्वरी प्रसाद मण्डल बीपी मण्डल की 103वीं जयंती पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष क्षत्रपाल सिंह यादव ने की। संचालन महासचिव मसूद आलम ने किया। सर्वप्रथम जिलाध्यक्ष स्व. बीपी मण्डल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया। साथ ही सभी नेतागण व पदाधिकारीगणों ने भी बीपी मण्डल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि समाज के बहुसंख्यक निर्बल, कमजोर, उपेक्षित, पिछड़े, अभावग्रस्त एवं शोषित लोगों के हितों के संरक्षण हेतु स्वतंत्र भारत में सविधान में अनेक प्रविधान कर कानून बनाने का अधिकार केंद्र एवं प्रदेश सरकारों को दिया गया है। सविधान में किए गए इन्ही प्रविधानों की प्रष्ठिभूमि में जनता दल की मोरार जी देसाई प्रधानमंत्री एवं चौ. चरण सिंह गृहमंत्री की सरकार में समाज के पिछड़े शोषित, कमजोर, निर्बल वर्ग के हितों के संरक्षण हेतु एक जनवरी 1979 को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं तत्कालीन सांसद बीपी मण्डल की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग का गठन किया था जो वर्तमान में मण्डल कमीशन के नाम से प्रचलित है। देश के पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षण दिलाने का श्रेय मण्डल कमीशन एवं इसके अध्यक्ष श्रद्धेय बीपी मण्डल जी को है। इस अवसर पर मुख्यरूप से शशांक यादव, एमएलसी, सयुस प्रदेश उपाध्यक्ष राबिन सिंह यादव, पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष सुदीप मौर्य, शिक्षक सभा जिलाध्यक्ष विजय बहादुर यादव, कार्यालय प्रभारी जयसिंह यादव, जिला सचिव चन्द्रशेखर यादव, महेंद्र यादव, अशोक बघेल, हेतराम यादव, राजेश यादव, सतीश राठोर, सुरेन्द्र वर्मा, धनीराम लोधी, राहुल पाल, मनोज यादव, राजेश बघेल, उत्तम मौर्य, राजकिशोर गौतम, अभय प्रताप सिंह, कमलेश यादव, अड्डू सभासद, नदीम गाजी, रामवीर निषाद, भानु निषाद आदि मौजूद रहे।

पाली पुलिस ने 3 शातिर लुटेरे किए गिरफ्तार

हरदोई।ऑपरेशन शिकंजा के तहत चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना पाली पुलिस ने 3 शातिर लुटेरे गिरफ्तार किए, साथ ही लूट के गहने,अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किए।पुलिस ने जेल भेजा। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,ग्राम जिजुईया थाना मऊ दरवाजा,जिला फर्रुखाबाद निवासी प्रदीप पुत्र शीशराम अपनी पत्नी के साथ मोटर साइकिल से भरखनी मार्ग से जा रहे थे,तभी रास्ते में तीन लुटेरों ने प्रदीप की मोटरसाइकिल के आगे अपनी मोटरसाइकिल लगाकर प्रदीप की पत्नी को डरा धमकाकर कान के कुंडल लूटकर भागने का प्रयास किया गया था,जिनको जनता के सहयोग से पाली थाना प्रभारी शिव शंकर सिंह एवं हमराही फोर्स ने कुंडल सहित अपराधी को गिरफ्तार किया था,तथा अभियुक्त सुरजीत दीक्षित के कब्जे से एक अवैध तमंचा मय कारतूस एवं घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल को कब्जे में ले लिया।गिरफ्तार किए गए अभियुक्त गणों में मानू मिश्रा पुत्र अशोक मिश्रा सुल्तानपुर थाना पचदेवरा,हरदोई,सुरजीत दीक्षित पुत्र चिनरौजी लाल अल्ला गंज,शाहजहांपुर और ऋषभ मिश्रा पुत्र पप्पू मिश्रा,पचदेवरा,हरदोई को जेल भेजा गया है।गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी शिव शंकर सिंह, कांस विजेंद्र कुमार और अमित कुमार रहे।

विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

बिसवां नगर (सीतापुर)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान भोलेनाथ शिव जी की कृपा एवम बैकुण्ठवासी माता स्व. शान्ती बाजपेयी एवंम पिता स्व. हरदयाल बाजपेयी की प्रेरणा से कैलाशी शिव साधिका साधना दीदी के सानिध्य में श्रावण मास के उपलक्ष्य में निज निवास वार्ड कैथी टोला बिसवां पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कैलाशी शिव साधिका साधना दीदी ने श्रावण मास के अवसर पर भगवान शिव जी का रुद्राभिषेक करते हुए फल, मेवा, मिष्ठान, दूध, दही, शहद आदि का भोग लगाया फूल मालाओं से श्रृंगार किया एवं पूजा अर्चना की। शिव साधिका साधना दीदी ने ब्राह्मणों को प्रसाद व दान दक्षिणा दी। उसके उपरांत कन्याओं को भी भोजन, प्रसाद एवं दान दक्षिणा भेंट की। नगर बिसवां आसपास के क्षेत्रों सहित विभिन्न जनपदों से पधारे सभी शिव भक्तों ने कोविड–19 को ध्यान में रखते हुए भंडारे में उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागी बने। शिव साधिका साधना दीदी द्वारा आयोजित विशाल भंडारे को सफल बनाने में सुरेश मिश्रा, डॉ नलिन मिश्रा, अजय बाजपेयी, संजय बाजपेयी, अक्षय बाजपेयी, अश्वनी, छोटू बाजपेयी, उषा किरण मिश्रा, शशि मिश्रा, गीता बाजपेयी, शैली शर्मा, सन्ध्या बाजपेयी, ऋचा मिश्रा, शिप्रा मिश्रा, इति शर्मा, मॉशी बाजपेयी, हृदयांश, शिवांश बाजपेयी, नव्या बाजपेयी आदि शिव भक्तों का विशेष योगदान रहा। शिव साधिका साधिका साधना दीदी द्वारा आयोजित किये गए। विशाल भंडारे में पूर्व एमएलसी राकेश सिंह, आरएसएस नगर संघ चालक राजेश सिंह, आरएसएस नगर कार्यवाह, डॉ राजन अग्रवाल, जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा कंचन प्रभा पाण्डेय, जिलाध्यक्ष सपा छत्रपाल यादव, पूर्व जिला महामंत्री सलिल सेठ, सुनील पाण्डेय, विजय अवस्थी, जिला उपाध्यक्ष भाजपा सुधाकर शुक्ला, पीयूष बाजपेयी, अमित जायसवाल, भाजयुमो नगर अध्यक्ष पीयूष मौर्या, वेदरत्न मिश्र, आशीष सिंह, आशीष गुप्ता, राज किशोर मिश्रा, रूपेश बाजपेयी, पिंटू सिंह, दीप नारायन सिंह, डिपोली सहित काफी संख्या शिवभक्त गण उपस्थित रहे।

पांच अपात्र प्रधानमंत्री आवास के लाभार्थियों को मिली रिकवरी नोटिस

हरदोई। विकासखंड हरपालपुर के सतौथा ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना में अपात्रों को आवास देने के ग्रामीणों की शिकायत पर सीडीओ के निर्देश पर हुई जांच में जांच कमेटी द्वारा अपात्र पाए गए पॉच लाभार्थियों से पहली किस्त की धनराशि की रिकवरी का नोटिस जारी किया गया है। विकासखंड के सतौथा ग्राम पंचायत में 2020–21 में 32 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए चयनित किया गया था। नोडल अधिकारी की जांच के बाद सभी लाभार्थियों को पहली किस्त 40 हजार रूपये की धनराशि जारी कर दी गई।इस बीच ग्रामीणों की शिकायत पर तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने मामले की जांच के लिए जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी प्रणव पाठक, जल निगम के अधिशासी अभियंता अरविंद त्रिपाठी को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया था।

स्वर्ण जयंती सभागार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2.0 का शुभारम्भ किया गयाः जिला पंचायत अध्यक्ष

हरदोई।विकास भवन के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2.0 का शुभारम्भ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, शाहाबाद विधायक रजनी तिवारी, जिलाधिकारी अविनाश कुमार एवं मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना ने दीप प्रज्जवलित कर किया तथा प्रतीकात्मक 20 प्रवासी एवं गरीब महिलाओं को जिला पंचायत शाहाबाद विधायक एवं सदर विधायक नितिन अग्रवाल ने मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किये। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वस्थ ईंधन,बेहतर जीवन के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन गरीब महिलाओं को उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक शाहाबाद ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की इस महात्वाकांक्षी योजना से देश एवं प्रदेश की करोड़ों महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन उपलब्ध कराये जा रहे हैं ताकि चूल्हें के धूयें से होने वाली बीमारी से महिलाओं के साथ उनके परिवार को बचाया जा सके।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि विगत वर्षो में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत जनपद में 03 लाख 86 हजार गरीब महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन वितरित किये गये है और द्वितीय चरण में 01 लाख 62 हजार प्रवासी एवं गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किये जायेगें और इसी कड़ी में आज प्रतीकात्मक 20 प्रवासी व गरीब महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन के साथ प्रथम भरा हुआ गैस सिलेन्डर उपलब्ध कराया जा रहा है।

इससे पहले लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने जनपद की दो लाभार्थी श्रीमती सुनाली राठौर एवं रेखा देवी से वीडियों कान्फ्रेसिंग से वार्ता की तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत प्राप्त मुफ्त गैस कनेक्शन पर बधाई देते हुए कहा कि गैस कनेक्शन मिल जाने से महिलाओं को जंगल में लकड़ी, कन्डे आदि के लिए भटकना नहीं पडेघ्गा और वह समय पर अपने परिवार के लिए भोजन बना सकेगी। उन्होने कहा कि इस योजना के द्वितीय चरण में प्रदेश के दस जनपदों की 20 लाख प्रवासी एवं गरीब महिलाओं को गैस कनेक्शन के साथ प्रथम गैस सिलेन्डर भी मुफ्त में उपलब्ध कराया जायेगा। कार्यक्रम में जिला पूर्ति अधिकारी संजय पाण्डेय ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुरूप जनपद में प्राथमिकता एवं लक्ष्य के अनुरूप प्रवासी एवं गरीब महिलाओं को चिहिन्त कर मुफ्त गैस कनेक्शन का लाभ पहुंचाया जायेगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं लाभार्थी महिलायें आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं०– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

पसलियों के दर्द से राहत दिलाने में कारगर हैं ये घरेलू नुस्खे

अगर आपको कभी भी अचानक से पसलियों में दर्द की समस्या होने लगे तो इसे हल्के में न लें क्योंकि इसके कारण आपको सांस लेने से लेकर उठने–बैठने तक में काफी दिक्कत हो सकती है। यह दर्द ठंडी हवा, असंतुलित जीवनशैली, किसी शारीरिक समस्या या फिर पसलियों में आंतरिक चोट लगने आदि के कारण हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप पसलियों के दर्द से जल्द राहत पा सकते हैं।

शहद और चूने का लेप लगाएं

शहद और चूने का लेप एक बहुत पुराना देसी नुस्खा है जिसे अपनाने से पसलियों के दर्द से काफी हद तक राहत पाई जा सकती है। इसके लिए सबसे पहले एक या दो बड़ी चम्मच शुद्ध शहद में एक चुटकी खाने वाला चूना मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस लेप को हल्के हाथों से अपनी दर्द वाली पसलियों पर लगाएं। इससे कुछ ही समय में आपको आराम मिल जाएगा।

सरसों के तेल से करें मालिश

पसलियों में दर्द होने पर सरसों के तेल से प्रभावित जगह की मालिश करना भी लाभदायक हो सकता है। दर्द से राहत पाने के लिए दो बड़ी चम्मच सरसों के तेल में जरा सा कपूर और एक चुटकी नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण से दर्द वाली पसलियों पर तब तक मालिश करें, जब तक कि तेल त्वचा में अच्छे से समा न जाए। जब तक पसलियों का दर्द दूर न हो जाए, तब तक इस उपाय को रोजाना अपनाएं।

गेंहू की रोटी से मिलेगा आराम

गेंहू की रोटी के इस्तेमाल से भी पसलियों के दर्द को दूर किया जा सकता है। इसके लिए पहले गेहूं के आटे से एक मोटी रोटी बेलें और इसे एक तरफ से सेंक लें। फिर रोटी को तवे से उतारकर उसकी कच्ची वाली जगह पर थोड़ा गुनगुना सरसों का तेल और हल्दी का पाउडर लगाएं। अब इस रोटी को दर्द वाली जगह पर किसी कपड़े की सहायता से बांध दें। इससे आपको पसलियों के दर्द से जल्द आराम मिलेगा।

जीरे से पानी से करें सिकाई

पसलियों के दर्द को दूर करने के लिए जीरे के पानी से सिकाई करना भी फायदेमंद हो सकता है। समस्या से राहत पाने के लिए पहले एक पैन में एक गिलास पानी और दो चम्मच जीरा डालकर अच्छे से गर्म करें। फिर गैस बंद करके पानी में अपनी एक उंगली डालकर देखें, अगर गर्म पानी सहन हो रहा है तो इसमें एक साफ कपड़ा भिगोकर निचोड़ें। अब इस कपड़े से दर्द वाली जगह की सिकाई करें।

खुशी चौधरी का फिर नी काडे बुलाउना रोमांटिक एल्बम हुआ रिलीज

फिर नी कदे बुलाउना शीर्षक वाला एक मजेदार पंजाबी सिंगल रिलीज किया गया है। वीडियो में नागिन 5 की एक्ट्रेस खुशी चौधरी नजर आ रही हैं। फिर नी कडे बुलाउना को उपेश

जंगवाल ने गाया है और नूर ने लिखा और कंपोज किया है।

वीडियो में खुशी के साथ गायिका को दिखाया गया है। हिमाचल प्रदेश के सुरम्य स्थानों में शूट किए गए इस वीडियो का निर्देशन शुभम, टीम लास्ट पेज ने किया है।

गाने के बारे में बात करते हुए, खुशी ने कहा, गीत और गीत का संगीत बहुत अच्छा है। चूंकि गीत काफी आकर्षक है, यह जनता के साथ अच्छी तरह से जुड़ जाएगा। उपेश के साथ काम करना अद्भुत था। अगर आप काम कर रहे हैं तो यह खिंचाव बहुत महत्वपूर्ण है। मैं टीम के साथ बहुत सहज हूं और इस गाने की शूटिंग में बहुत मजा आया।

गायक उपेश जांगवाल ने कहा, गीत फिर नी काडे बुलाउना प्रेम की अभिव्यक्ति है। यह एक रिश्ते में लड़की की उम्मीदों को चिढ़ाते हुए चित्रित कर रहा है। यह क्रियात्मक और फुट–टैपिंग है। युवा पीढ़ी निश्चित रूप से इससे जुड़ेगी। खुशी एक बहुमुखी अभिनेत्री हैं और उन्होंने अपने भावों और जीवंत व्यक्तित्व के साथ इस परियोजना को असाधारण रूप से बढ़ाया है।

गाने को ब्रिमिंग विजन म्यूजिक के यूट्यूब चौनल पर रिलीज किया गया है।

करीना कपूर ने शुरू की नई पारी

हमारे समय की गेम–चेंजिंग स्टार में से एक, करीना कपूर खान पहली बार एक स्लीक और नए जमाने की थ्रिलर के साथ निर्माता बनने के लिए तैयार हैं. एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से, अभी तक अनटाइटल्ड यह फिल्म हंसल मेहता द्वारा निर्देशित की जाएगी, जिन्होंने स्कैम 1992 की सफलता के बाद, उद्योग के सबसे समीक्षकों और व्यावसायिक रूप से प्रशंसित निर्देशकों में से एक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया है.

यह सहयोग दो मजबूत महिलाओं, एकता कपूर और करीना कपूर खान के एक साथ आने का प्रतीक है, दोनों ने अपने स्वयं के मार्ग प्रशस्त किए हैं और अपने रूल बनाते हुए स्ट्रियोटाइप को चुनौती दी है.

दिलचस्प बात यह है कि ब्लॉकबस्टर श्वीरे दी वेडिंग्च करीना कपूर खान की उनके बेटे तैमूर के जन्म के बाद पहली फिल्म थी और यह उनके दूसरे बच्चे के बाद उनकी पहली फिल्म होगी, संयोग से, दोनों एकता कपूर के बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा निर्मित हैं. एक सच्ची जीवन घटना से प्रेरित, कहानी यूके में स्थापित है और जल्द ही शूटिंग शुरू की जाएगी.

पहली बार निर्माता बनने के लिए उत्साहित, करीना कपूर खान कहती हैं, श्एकता के साथ इस फिल्म में एक निर्माता के रूप में काम करने के लिए बहुत सम्मानित और उत्साहित हूं, जिसे मेरा परिवार वर्षों से जानता है और पहली बार हंसल द्वारा निर्देशित किया जा रहा है. मैं हंसल की फिल्मों की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और उनके साथ पहली बार काम करना खास होगा. इस फिल्म में बहुत कुछ पहली बार है और मैं इस यात्रा को शुरू करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती.च

बालाजी टेलीफिल्म्स की निर्माता एकता कपूर कहती हैं, श्करीना कपूर खान स्टार पावर और टैलेंट का डायनामाइट कॉम्बिनेशन हैं. हमने पिछली बार श्वीरे दी वेडिंग्च में उनके साथ काम किया था, जो शायद किसी फीमेल स्टार की सबसे बड़ी हिट थी. दूसरी बार हमेशा एक आकर्षण होता है और मुझे विश्वास है कि यह भी दर्शकों को उत्साहित करेगी. हमारे समय के सबसे विपुल फिल्म निर्माताओं में से एक हंसल मेहता द्वारा यह कहानी सुनाना इसे और अधिक रोमांचक बनाता है! अब तक की सबसे दिलचस्प और शॉकिंग मैनस्ट्रीम फिल्मों में से एक के लिए तैयार हो जाइएच.

फिल्म निर्माता हंसल मेहता कहते हैं, श्इस फिल्म के जरिए हमारा उद्देश्य करीना के साथ एक ताजा, मनोरंजक और मूडी थ्रिलर बनाना है, जिसमें मुझे उम्मीद है कि वह एक अभिनेता के रूप में अपनी अपार प्रतिभा के साथ न्याय करेगी. मैं एकता और करीना के साथ इस सफर पर निकलने के लिए उत्सुक हूं, दोनों ने अपने–अपने करियर में बहुत कुछ हासिल किया है और निस्संदेह दोनों पॉवरहॉउस हैंच.

महेश बाबू की फिल्म एसएसएमबी 28 का ऐलान, पूजा हेगड़े के साथ फिर करेंगे रोमांस

साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू अभिनीत फिल्म एसएसएमबी28 से यूं तो कई अभिनेत्रियों का नाम जुड़ा, लेकिन आखिरकार इसमें अभिनेत्री पूजा हेगड़े का नाम फाइनल कर दिया गया है। हाल ही में इस फिल्म का आधिकारिक रूप से ऐलान हुआ, जिसमें फिल्म की लीड हीरोइन का नाम भी सामने आ गया। महेश बाबू और पूजा हेगड़े की जोड़ी को एक बार फिर पर्दे पर देखना फैंस के लिए बेशक किसी ट्रीट से कम नहीं होगा।

महेश बाबू के जन्मदिन पर निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास ने अपनी फिल्म की घोषणा की। उन्होंने एक वीडियो के जरिए यह जानकारी दी और फिल्म में पूजा हेगड़े के नाम पर मुहर लगाई। त्रिविक्रम ने लिखा, अपने सुपरस्टार महेश बाबू के जन्मदिन पर मिलिए फिल्म एसएसएमबी28 की स्टारकास्ट से। जल्द ही एक खूबसूरत कहानी आपके बीच होगी। निर्देशक के इस पोस्ट को देख प्रशंसक फूले नहीं समा रहे हैं। वे पर्दे पर दोबारा महेश–पूजा की जोड़ी देखने को बेताब हैं।

एसएसएमबी28 महेश बाबू की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जो अगले साल गर्मियों में रिलीज होगी। महेश बाबू इस फिल्म में रॉ एजेंट की भूमिका निभा सकते हैं। वह इसमें एक अनदेखे अवतार में नजर आएंगे। त्रिविक्रम श्रीनिवास इससे पहले अथाडू और खलेजा जैसी फिल्मों में महेश बाबू के साथ काम कर चुके हैं। सुनने में तो यह भी आ रहा था कि इस फिल्म से 20 साल बाद शिल्पा शेट्टी की साउथ में वापसी हो सकती है।

पूजा हेगड़े की निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ काफी अच्छी बातचीत है। पूजा निर्देशक के साथ अरविंद समीथा वीरा राघव और ब्लॉकबस्टर फिल्म अला वैकुंठपुरमलो में काम कर चुकी हैं। दूसरी तरफ महेश बाबू के साथ यह पूजा की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों सुपरहिट फिल्म महर्षि में साथ काम कर चुके हैं, जिसमें उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों ने बेहद सराहा। अब एक बार फिर यह जोड़ी पर्दे पर अपने रोमांस का जादू चलाने के लिए तैयार है।

इन दिनों महेश बाबू और पूजा हेगड़े दोनों ही अपनी–अपनी फिल्मों में व्यस्त हैं। महेश बाबू फिल्म सरकारु वारी पाटा की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश नजर आएंगी। दूसरी तरफ पूजा मोस्ट एलिजिबल बैचलर, राधे श्याम और आचार्य जैसी फिल्मों में काम कर रही हैं। खबर आ रही थी कि महेश बाबू अगस्त से फिल्म एसएसएमबी28 की शूटिंग शुरू करेंगे, लेकिन अभी इस पर निर्माताओं की मुहर नहीं लगी है।

एडियों में बार–बार दर्द होता है? जानिए इसके कारण

एडियों में दर्द होना एक कष्टदायक समस्या है जिसे नजरअंदाज करना थोड़ा मुश्किल होता है। अगर आपको बार–बार एडियों में दर्द का सामना करना पड़ता है तो आपके लिए इसके पीछे का कारण जानना जरूरी है ताकि उसके मुताबिक समस्या का सही उपचार किया जा सके। आइए आज आपको ऐसे ही कुछ मुख्य कारणों के बारे में बताते हैं जो एडियों में दर्द उत्पन्न कर सकते हैं।

गलत साइज के जूते और चप्पल पहनना

यह एडियों में दर्द होने का मुख्य कारण हो सकता है। दरअसल, अगर आप गलत साइज के जूते या फिर खराब सोल वाली चप्पल पहनते हैं तो इसके कारण एडियों में दर्द होने लगता है। इसलिए जब भी आप अपने लिए जूते या फिर चप्पल खरीदें तो साइज और इनकी सोल पर विशेष ध्यान दें, ताकि इन्हें पहनकर चलने में न तो एडियों में दर्द हो और न ही किसी तरह की अन्य परेशानी हो।

शारीरिक सक्रियता में कमी

अगर आप घर में घंटों तक एक जगह बैठकर अपना पूरा दिन निकाल देते हैं यानि शारीरिक कामकाज कम करते हैं तो इस वजह से आपको एडियों में दर्द हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर आप वर्क फ्रॉम होम के दौरान एक जगह बैठकर काफी देर तक लैपटॉप पर ऑफिस का काम करते है और एक्सरसाइज या चलने–फिरने का काम नहीं करते हैं तो इसके कारण आपको एडियों में दर्द की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

हैग्लंड की विकृति बीमारी

हैग्लंड की विकृति एड़ी की हड्डियों से जुड़ी एक बीमारी है जो एडियों में दर्द का कारण बन सकती है। ये बीमारी तब होती है जब आपकी एड़ी के पिछले हिस्से पर बार–बार दबाव पड़ता है। यह बहुत तंग फुटवियर्स पहनने के कारण हो सकती है। आजकल कई महिलाएं हिल्स पहनना काफी पसंद करती हैं, लेकिन इससे एडियों पर काफी दबाव पड़ता है जिसके कारण हैग्लंड की विकृति हो सकती है।

फुट बर्साइटिस की समस्याः फुट बर्साइटिस एडियों से जुड़ी एक समस्या है। यह समस्या तब होती है जब हमारी एडियों में मौजूद बर्सा चोटिल हो जाती है या इसमें सूजन आ जाती है। बर्सा एक छोटी द्रव से भरी थैली होती है जो एडियों के जोड़ और हड्डियों को चिकनाई देती है। इसके कारण आपको बार–बार एडियों में तेज दर्द, सूजन और लालिमा जैसी कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।